mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-181 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
01 जुलाई 2024 सोमवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

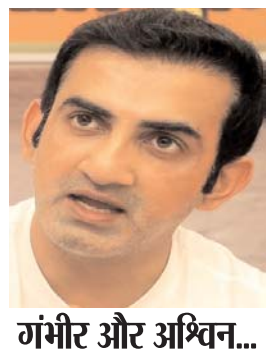

गंभीर और अश्विन...
@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने 30वें आर्मी चीफ का लिया चार्ज

- रिटायरमेंट से पहले जनरल मनोज पांडे को गार्ड ऑफ ऑनर, 26 महीने पद पर रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने रविवार को नए आर्मी चीफ का चार्ज संभाला। जनरल द्विवेदी 30वें सेना प्रमुख हैं। वे इसी साल 19 फरवरी को वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ बने थे। आर्मी चीफ बनने पर द्विवेदी लेफ्टिनेंट जनरल से जनरल रैंक पर प्रमोट हुए हैं। भारत सरकार ने 11 जून की रात उन्हें आर्मी चीफ बनाने का ऐलान किया था। इससे पहले वे सेना के वाइस चीफ, नॉर्दर्न आर्मी कमांडर, इम्फेंट्री और सेना में कई अन्य कमांड के प्रमुख के रूप में काम

कर चुके हैं। जनरल द्विवेदी ने आर्मी चीफ के तौर पर जनरल मनोज पांडे की जगह ली है। जनरल मनोज पांडे आज ही रिटायर हुए हैं। लास्ट वर्किंग डे पर सेना की ओर से उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वे 26 महीने तक आर्मी चीफ रहे। रिटायर्ड जनरल मनोज पांडे 31 मई को रिटायर होने वाले थे। हालांकि, सरकार ने पिछले महीने उनका कार्यकाल एक महीने के लिए बढ़ा दिया था। 25 मई को उन्हें एक्सटेंशन देने की घोषणा हुई थी। आम तौर पर सेना में इस तरह के फैसले नहीं लिए जाते। इस कदम से अटकलें लगाई जाने लगी थीं कि जनरल द्विवेदी को सेना की टॉप पोस्ट के लिए नजर अंदाज किया जा सकता है।

हार पर किया मंथन विधानसभा चुनाव से पहले संगठन में बदलाव!

- महाराष्ट्र को लेकर ऐक्टिव हुई बीजेपी, दिल्ली में की बड़ी बैठक

मुंबई (एजेंसी)। बीजेपी दिल्ली ऑफिस में मंगलवार की शाम को महाराष्ट्र बीजेपी कोर ग्रुप की बैठक हुई। यह बैठक देर रात तक चली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बीजेपी कोर

ग्रुप की बैठक की अध्यक्षता की। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, पीयूष गोयल, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत महाराष्ट्र बीजेपी के वरिष्ठ नेताओं ने बैठक में भाग लिया। महाराष्ट्र में बीजेपी सरकार में शामिल है लेकिन राज्य में लोकसभा चुनाव में बीजेपी को उम्मीद के मुताबिक परिणाम नहीं मिले हैं। सूत्रों का कहना है कि बीजेपी ने महाराष्ट्र लीडरशिप और सरकार में बदलाव की संभावना से इंकार किया है। यानी राज्य में बीजेपी संगठन और सरकार में शामिल बीजेपी नेताओं को बदलने की कोई संभावना अभी नजर नहीं आ रही है। हालांकि बैठक में लोकसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा की गई है।

मोदी की वापसी से रफ्तार पकड़ेगा भारत से यूरोप का कॉरीडोर!

चीन के बीआरआई प्रोजेट को बेकार करेगा नई दिल्ली का प्लान

दुबई (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी कार्यकाल के लिए शपथ लेने के बाद भारत सरकार ने महत्वाकांक्षी भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे पर काम शुरू कर दिया है। नई दिल्ली के वर्तमान एजेंडे में गलियारे को लेकर योजनाएं सबसे ऊपर हैं। शुरुआती चरण में इसे भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच शुरू किए जाने पर काम चल रहा है। इसी सप्ताह गुरुवार

- पहले चरण में भारत और यूएई के बीच शुरू करने की है योजना

को सरकार बनने के बाद पहले संसद सत्र में मोदी सरकार 3.0 के एजेंडे को सामने रखते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा 21वीं सदी के सबसे बड़े परिवर्तनकारी कारकों (गेमचेंजर) में से एक साबित होगा। नई दिल्ली जल्द से जल्द परियोजना के पहले चरण को लागू करने के लिए इच्छुक है। उसने सितंबर 2023 में परियोजना की पहली घोषणा के लगभग नौ महीने बाद कार्य पूरा

करने के लिए 100-दिवसीय समय सीमा की घोषणा की है। बीते साल सितम्बर में जी 20 शिखर सम्मेलन के दौरान नई दिल्ली में भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, सऊदी अरब, इटली, फ्रांस, जर्मनी और यूरोपीय संघ ने गलियारे को अंतिम रूप दिया था।

दो भागों से मिलकर बना यह गलियारा भारत, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के बीच जहाज द्वारा पारगमन से शुरू होता है, जो आगे चलकर रेल लिंक के माध्यम से जॉर्डन से जुड़ता है, फिर तुर्की और यूरोप तक जाता है। इटली में बीते 13-15 जून को आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी और भारत के विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने आईईएमसी पर भारत के विजन को आगे रखा, जिसका नतीजा रहा कि शिखर सम्मेलन के अंत में सभी भाग लेने वाले देशों की तरफ से जारी संयुक्त विज्ञप्ति में में आईईएमसी जैसी ठोस बुनियादी ढांचे के प्रस्तावों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता जताई गई।

विज्ञप्ति में कहा गया,हम गुणवत्तापूर्ण अवसंरचना और निवेश की खातिर परिवर्तनकारी आर्थिक गलियारे विकसित करने के लिए जी-7 पीजीआईआई (वैश्विक अवसंरचना और निवेश के लिए साझेदारी) के ठोस प्रस्ताव, प्रमुख परियोजनाओं और पूरक प्रस्तावों को बढ़ावा देंगे।

बिहार के बाद अब झारखंड में भी बह गया भ्रष्टाचार का पुल

- पहली ही बारिश में गिरिडीह में ध्वस्त हो गया निर्माणाधीन ब्रिज

गिरिडीह (एजेंसी)। झारखंड में भारी बारिश के कारण निर्माणाधीन पुल टूट गया। यह पुल फतेहपुर-भेलवाघाटी सड़क पर अरगा नदी पर बन रहा था। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल के कारण पुल टूट गया

और इसमें भ्रष्टाचार का बड़ा हाथ है। यह घटना शनिवार शाम को हुई जब मॉनसून की पहली बारिश के दौरान अरगा नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। तेज बहाव के कारण पुल का एक पिलर टेढ़ा हो गया और फिर पूरा पुल ढह गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि पुल के गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि आस-पास के घरों के लोग डर गए।

सीमा पर 15520 किमी का रोड नेटवर्क बनाएगा भारत

- चीन-पाकिस्तान पर फोकस, 250 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर काम जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार देश की सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए 15,520 किलोमीटर बॉर्डर रोड नेटवर्क खड़ा कर रही है। रणनीतिक रूप से अति महत्वपूर्ण इस नेटवर्क में सरकार 3600 किमी सड़क का निर्माण करा चुकी है, जबकि 6700 किमी सड़क निर्माणाधीन है। मोदी सरकार-3.0 के विजन-2047 के मास्टर प्लान फेज-1 व फेज-2 में 5220 किमी बॉर्डर रोड नेटवर्क (रणनीतिक व अंतरराष्ट्रीय) खड़ा करने का लक्ष्य रखा गया है। मास्टर प्लान के दस्तावेज के अनुसार फेज-1 में कुल 2379 किमी के दो लेन राष्ट्रीय राजमार्ग सिर्फ अरुणाचल प्रदेश में बनेंगे। जम्मू-कश्मीर में 166 किमी

राजमार्ग का निर्माण होगा। वहीं, फेज-2 में सिक्किम (21 किमी), पश्चिम बंगाल (75 किमी), असम (144 किमी), बिहार (48 किमी), झारखंड (141 किमी) के साथ गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश में राजमार्ग निर्माण किए जाएंगे। फेज-एक व दो को 2047 से पहले समाप्त किया जाएगा। बॉर्डर रोड नेटवर्क खड़ा करने पर सरकार 75,000 से एक लाख करोड़ रुपये तक का निवेश करेगी। इसकी असल लागत डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार होने के पश्चात भी सामने आएगी। चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश सहित अन्य देशों के साथ भारत 15,106 किमी की अंतर्राष्ट्रीय भूमि सीमा साझा करता है।

बंगाल में महिला को सड़क पर पीटा, बाल पकड़कर खींचा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चार दिन में दूसरी बार महिला से मारपीट और बदसलूकी की घटना सामने आई है। रविवार (30 जून) को उत्तरी दिनाजपुर जिले के चोपड़ा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें एक व्यक्ति दो लोगों- एक महिला और एक पुरुष को सड़क पर छड़ी से पीटता हुए नजर आ रहा है। व्यक्ति महिला को कई बार मारता है। वह दर्द में चिल्लाती है, लेकिन व्यक्ति मारना नहीं छोड़ता। इसके बाद वह व्यक्ति महिला के पास बैठे पुरुष की ओर मुड़ता है और उसे मारना शुरू कर देता है। इस दौरान भीड़ तमाशा देखती रहती है, कोई भी महिला और पुरुष को बचाने आगे नहीं आता। वीडियो में एक जगह वह व्यक्ति महिला के बाल पकड़कर उसे लात मारता है। इसे वीडियो को लेकर राज्य की ममता सरकार पर विपक्ष हमलावर है। भाजपा और सीपीएम (एम) के नेताओं ने इस

वीडियो को लेकर दावा किया है कि पिटाई करने वाला शख्स तृणमूल कांग्रेस का नेता ताजेमुल हैं, जो स्थानीय विवादों पर 'तत्काल न्याय' देने के लिए जाना जाता है। इसके पहले 27 जून को भाजपा ने टीएमसी पर आरोप लगाया था कि कूचबिहार जिले में पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की महिला पदाधिकारी रोसोनारा खातून को घर से खींचकर सड़क पर घसीटा गया।

अमित मालवीय बोले- राज्य में शरिया अदालतें चल रही हैं

बीजेपी आईटी सेल हेड और बंगाल के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वीडियो में जो व्यक्ति महिला को बेरहमी से पीट रहा है, वह ताजेमुल है। वह अपनी इंसाफ सभा के माध्यम से तुरंत न्याय देने के लिए जाना जाता है और चोपड़ा के विधायक हमिदुर रहमान का करीबी सहयोगी है। मालवीय ने यह भी कहा कि भारत को अब टीएमसी की सरकार वाले पश्चिम बंगाल में शरीयत अदालतों की असलियत को देख लेना चाहिए। हर गांव में एक संदेशखली है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महिलाओं के लिए अभिशाप बन गई हैं। बंगाल में कानून-व्यवस्था का नामो-निशान नहीं है। क्या ममता बनर्जी इस राक्षस के खिलाफ कार्रवाई करेंगी या शेख शाहजहां की तरह उसे भी बचाएंगी। सीपीएम (एम) के राज्य सचिव और पूर्व सांसद मोहम्मद सलीम ने इस वीडियो को शेयर कर लिखा कि यह कंगारू कॉर्ट से भी बदतर है। तृणमूल कांग्रेस का गुंडा, जिसे ताजेमुल के नाम से जाना जाता है, वह खुद मौके पर सुनवाई करके सजा दे देता है। यह ममता के शासन में चोपड़ा में बुलडोजर न्याय का उदाहरण है।

देश में आज से लागू हो जाएंगे तीन नए आपराधिक कानून

अमल में लाने के लिए सरकार की तैयारियां पूरी,एक दर्जन से ज्यादा की बैठकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के तीन नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम कल सोमवार से लागू होंगे।

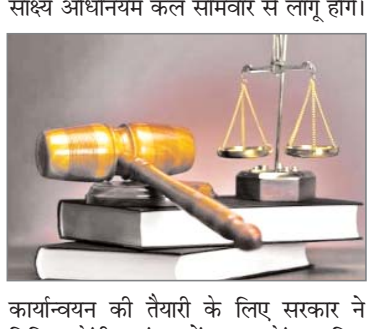

कार्यान्वयन की तैयारी के लिए सरकार ने विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और पुलिस प्रमुखों के साथ बैठकें करके तैयारियां की हैं। इसके अलावा इस दिन को मनाने के लिए कई कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। इन तैयारियों और कार्यक्रमों पर एक नजर डालें। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने आदेश दिया है कि नए कानूनों को 2024-25 शैक्षणिक वर्ष से विश्वविद्यालयों और कानूनी शिक्षा केंद्रों के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए। स्कूली शिक्षा विभाग अक्टूबर से मार्च के बीच कक्षा 6 से ऊपर के छात्रों के लिए विशेष मॉड्यूल बनाएगा। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी ने न्यायिक अधिकारियों और अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो, फोरेंसिक लैब आदि के अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, ग्रामीण विकास, पंचायती राज मंत्रालयों ने 21 जून को लगभग 40 लाख जमीनी कार्यकर्ताओं के लिए नए कानूनों पर हिंदी वेबिनार आयोजित किया; 25 जून को अंग्रेजी में दूसरा वेबिनार आयोजित किया गया जिसमें लगभग 50 लाख लोगों ने भाग लिया।

अमरनाथ यात्रियों को ले जा रही कार का एक्सीडेंट

- 2 की हालत गंभीर, पहले दिन 14 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के किए दर्शन

अनंतनाग (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा का दूसरा दिन है। 6 हजार 619 श्रद्धालुओं का तीसरा जत्था रविवार को जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से रवाना हुआ। इस बीच, यात्रियों को ले जा रही एक कार का रविवार को पहलगाम के पास चंदनवाड़ी में

एक्सीडेंट हो गया। इसमें दो श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान झारखंड के विजय मंडल और गुरवा देवी के रूप में हुई है। बीएसएफ दोनों को इलाज के लिए अस्पताल ले आई। इसके बाद उन्हें अनंतनाग के अस्पताल रेफर कर दिया गया है। दोनों की हालत गंभीर बताई गई है। रविवार को निकले तीसरे जत्थे में में 1141 महिलाएं शामिल हैं। ये सभी सुबह 3.50 बजे, 319 गाड़ियों से रवाना हुए।

चंद्रयान-3 के बाद चांद पर कमाल करेगा चंद्रयान-4

इसरो ने शुरू की नए मिशन की तैयारी, चीफ ने बताया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक बार फिर से अपने विज्ञान और तकनीक के अद्वितीय कारनामों से दुनिया को चौंकाने की तैयारी में है। इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि भारत 2040 तक इंसान को चांद पर भेजने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि यह मिशन चंद्रयान मिशनों की एक अहम कड़ी होगी, जो भारत को अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक नई ऊंचाई पर ले जाएगा। पिछले साल, इसरो ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक उतार कर इतिहास रच दिया था। यह उपलब्धि न केवल भारत के अंतरिक्ष मिशनों में मील का पत्थर साबित हुई, बल्कि दुनिया भर में इसरो की वैज्ञानिक क्षमता और तकनीकी कौशल की सराहना भी हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चंद्रयान-3 की लैंडिंग साइट का नाम शिव शक्ति रखा, जो अब इसरो के आगामी चंद्र मिशनों का एक महत्वपूर्ण बिंदु बनेगा। एक इंटरव्यू में एस.

सोमनाथ ने बताया कि इसरो का लक्ष्य शिव शक्ति प्वाइंट से अगले कुछ वर्षों में चंद्र नमूने को पृथ्वी पर लाना है। इसरो के इस मिशन का उद्देश्य चंद्रमा की संरचना और उसके रहस्यों को और गहराई से समझना है।

एक युग का अंत...

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने ली टी-20 से विदाई

वर्ल्ड चैंपियन बनकर किया संन्यास का ऐलान, जडेजा भी अब नहीं खेलेंगे टी-20

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के टी20 विश्व कप 2024 का विजेता बनने के साथ ही टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के एक युग का अंत हो गया। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने जहां टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया। वहीं, ऑलराउंडर रवीन्द्र जडेजा ने भी टी-20 से संन्यास का ऐलान कर दिया है। इधर भारत का विजयी अभियान पूरा होने के साथ ही राहुल द्रविड़ के कोचिंग करियर पर भी पूर्ण विराम लग गया। राहुल द्रविड़ का भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच के रूप में कार्यकाल आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2024 तक ही था। बारबाडोस में भारतीय क्रिकेट टीम ने अपने

- राहुल द्रविड़ के कोचिंग करियर पर भी लगा पूर्ण विराम

उन आलोचकों को चुप करा दिया, जिन्होंने उसके बिग-मैच टेम्परामेंट पर सवाल उठाए थे और क्रिकेट में आर्थिक महाशक्ति होने के बावजूद खिताब जीतने में विफल रहने पर मजाक उड़ाया था। रोहित शर्मा ने बताया कि फाइनल की जीत का टीम के लिए क्या मायने है, खासकर पिछले साल 50 ओवर के विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया से दिल तोड़ने वाली हार मिलने के बाद। इस टी20 विश्व कप की तरह भारत वनडे वर्ल्ड कप 2023 में भी फाइनल से पहले तक अपराजित था, लेकिन बारबाडोस में टीम इंडिया ने वह मुकाबला जीत लिया जो वास्तव में मायने रखता है।

संक्षिप्त समाचार

एक जुलाई देश और मध्यप्रदेश के लिए विशेष दिन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कल एक जुलाई का दिन पूरे देश और प्रदेश के लिए एक विशेष दिन रहने वाला है। अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे भारतीय दंड संहिता, सीआरपीसी, भारतीय साक्ष्य अधिनियम...ये सारे नियम बदलते हुए नए प्रकार के कानून लागू होने वाले हैं। अब दंड संहिता के बजाय न्याय संहिता की बात की जाएगी। अर्थात न्याय के आधार पर हमारी व्यवस्था चलनी चाहिए। अंग्रेज जब तक हम पर हावी थे तब तक वो दंड की बात करते थे। हमारी परंपरा न्याय की परंपरा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ये तीनों कानून पूरे देशवासियों के जीवन में अंगीकार होंगे। उससे सुविधा मिलेगी। अपनी संस्कृति पर गर्व करने का मौका मिलेगा। आमजन के माध्यम से पूरे प्रदेश में जो अभियान चलेगा, इस व्यवस्था के लिए थाने के अंदर सभी प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए और जन जागृति के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर अभियान चलाने के निर्देश जारी किए गए हैं। उम्मीद करता हूं इसका लाभ सभी मिलकर उठाएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस अभियान का हमारी सरकार अक्षरश: पालन करेगी।

एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़े प्रत्येक प्रदेशवासी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया है। मध्यप्रदेश सरकार भी पर्यावरण के प्रति गंभीर है। लगभग साढ़े 5 करोड़ पौधे मध्यप्रदेश में लगायेंगे। ऐसा प्रयास है कि प्रदेश में 1 जुलाई से लेकर 15 जुलाई के बीच अलग-अलग जिलों में इस अभियान को चलाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक टीवी संदेश के माध्यम से कहा कि मुझे संतोष है कि कई जिले जैसे इंदौर, 51 लाख पौधे लगाने वाला है। भोपाल ने बीस लाख पौधे लगाने का लक्ष्य लिया है। एक दिन में 6 जुलाई को लगभग 12 लाख पौधे लगाने का भी लक्ष्य तय किया है। ऐसे कार्यों से ही पर्यावरण का माहौल बनता है। ऐसे में पौधारोपण कर न केवल हम पर्यावरण को बचाएंगे बल्कि वानिकीकरण में भी अपनी भूमिका निभाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस पूरे आयोजन के प्रति सरकार गंभीर है, यह अभियान लगातार चलता रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आप सभी को इस अभियान से जुड़ने की अपील करता हूँ। आप अपने परिजन को लेकर, माता जी को साथ लेकर सेल्फी लें। अगर माता जी नहीं हैं तो उनके चित्र के साथ एक पौधा लगाकर सेल्फी ले सकते हैं। अभियान के अंतर्गत निर्धारित वेबसाइट पर भी चित्र अपलोड किया जा सकता है। इससे अन्य लोग प्रेरित होंगे। शासन प्रशासन द्वारा बताए गए निर्धारित स्थान पर पौधे लगाएं, सरकार उनकी देखभाल करेगी।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने दी बधाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई के अभियंताओं व कार्मिकों के समर्पण, कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता ने 210 मेगावाट स्थापित क्षमता की यूनिट को लगातार 300 दिन तक संचालित करने में सफलता हासिल की है। यह विद्युत यूनिट की स्थापना के बाद सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस यूनिट ने 27 अगस्त 23 से 22 जून 2024 तक 300 दिन सतत् विद्युत उत्पादन करने का नया रिकार्ड बनाया। 210 मेगावाट की यूनिट ने जब 300 दिन सतत् विद्युत उत्पादन करने का कीर्तिमान अर्जित किया तब इसने विभिन्न मापदंडों में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। यूनिट ने 100.24 फीसदी प्लांट उपलब्धता फेक्टर (पीएएफ), 98.6 फीसदी प्लांट लोड फेक्टर (पीएलएफ) व 9.29 प्रतिशत ऑक्जलरी कंजम्पशन की उपलब्धि हासिल की। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव व मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री मनजीत सिंह ने अमरकंटक ताप विद्युत गृह के यूनिट नंबर 5 के अभियंताओं व कार्मिकों को बधाई दी है। उन्होंने कार्मिकों की सराहना करते हुए कहा कि समर्पण, कड़ी मेहनत व प्रतिबद्धता से लक्ष्य अर्जित करने का यह सर्वश्रेष्ठ व अनुकरणीय उदाहरण है।

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 12 सितंबर को

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के निर्वाचन के लिए फोटो युक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। मतदाता सूची एक जनवरी 2024 की संदर्भ तारीख के आधार पर बनाई जाएगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 12 सितंबर 2024 को होगा। सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग श्री अभिषेक सिंह ने बताया है कि रजिस्ट्रीकरण, सहायक रजिस्ट्रीकरण और मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति और उनका प्रशिक्षण 2 जुलाई 2024 तक किया जाएगा। मतदान केंद्रों का युक्ति-युक्तिकरण का प्रस्ताव तैयार कर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को 4 जुलाई तक दिया जाएगा। फोटो युक्त प्रारूप मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 19 जुलाई को किया जाएगा।

बंद होंगी परिवहन चौकियां, उनके स्थान पर लागू होगी नई व्यवस्था, प्रतिनियुक्ति पर मांगे गए होमगार्ड जवान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अवैध वसूली और भ्रष्टाचार को लेकर बदनाम हो चुके मध्य प्रदेश के परिवहन चेक पोस्ट को बंद करने के आदेश सरकार ने जारी कर दिए हैं, अब इनके स्थान पर रोड सेफ्टी तथा एनफोर्समेंट प्वाइंट्स बनाये जायेंगे। इसके साथ ही रोड सेफ्टी तथा एनफोर्समेंट मोबाइल यूनिट स्थापित की जायेंगी। जिसके लिए प्रतिनियुक्ति पर होमगार्ड के जवानों को परिवहन विभाग में भेजा जायेगा। बतादें कि परिवहन जाँच चौकी जिसे चेस्क पोस्ट के नाम से भी जाना जाता है। दरअसल विपक्ष और ट्रांसपोर्ट एसोसिएशनों द्वारा अवैध वसूली के आरोपों के बाद सरकार ने सभी चेक पोस्ट बंद करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस संबंध में निर्देश दिए हैं। बैठक में सीएम ने निर्णय लिया गया है कि परिवहन चेक पोस्ट की बजाय अब 45 रोड सेफ्टी तथा एनफोर्समेंट प्वाइंट्स और 94 रोड सेफ्टी तथा एनफोर्समेंट मोबाइल यूनिट बनाई जायेंगी। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद परिवहन विभाग इसकी तैयारी में जुट गया है। नई व्यवस्था के संचालन के लिए होमगार्ड के जवान प्रतिनियुक्ति पर मांगे हैं।

विभाग ने गृह विभाग के मुख्य सचिव को भेजे पत्र लिखा है। जिसमें कहा गया है कि प्रदेश की अंतर्राज्यीय सीमाओं पर स्थापित परिवहन चेक पोस्ट बंद किये जाने हैं। अब इनके स्थान पर रोड सेफ्टी तथा एनफोर्समेंट प्वाइंट्स और रोड सेफ्टी तथा एनफोर्समेंट मोबाइल यूनिट बनाई जायेंगी। जिसके लिए 211 होमगार्ड की सेवाएं प्रति नियुक्ति पर परिवहन विभाग को चाहिए। परिवहन विभाग ने प्रतिनियुक्ति पर होमगार्ड जवान दिए जाने का अनुरोध किया है।

211 होमगार्ड जवान प्रतिनियुक्ति पर जायेंगे परिवहन विभाग: मुख्यमंत्री के निर्देश पर अपर मुख्य सचिव परिवहन

लंबे समय से लग रहे थे आरोप:

बतादें कि मध्य प्रदेश के परिवहन चेक पोस्ट पर अवैध वसूली, भ्रष्टाचार, ड्राइवर-क्लीनर के साथ अभद्रता के आरोप लंबे समय से लग रहे थे। इस बारे में ट्रांसपोर्ट एसोसएशन भी सरकार को पत्र लिखा था। जिसमें परिवहन चौकियों को बंद करने का अनुरोध किया गया था। हाल ही में ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने भी सरकार को चेतावनी देते हुए कहा था कि यदि 9 जुलाई से पहले चेक पोस्ट को बंद नहीं किया गया तो मप्र का परिवहन पूरी तरह ठप हो जायेगा। ट्रांसपोर्ट एसोसियेशन के पदाधिकारियों के साथ बैठक में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भी परिवहन जाँच चौकियों के बंद करने का भरोसा दिया था। जिसे पूरा करते हुए उन्होंने परिवहन चौकियां बंद कर उनके स्थान पर नई व्यवस्था लागू करने के आदेश दिए हैं।

सड़कों पर व्याप्त गड्ढों की समय से पहचान एवं त्वरित सुधार के लिये लोक-पथ एप की जा रही तैयार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोकनिर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने आज मंत्रालय में विभाग के प्रमुख अधिकारियों के साथ सड़क सूचना एवं प्रबन्धन प्रणाली के सशक्तिकरण हेतु बनाई जा रही लोक-पथ एप (पॉट होल रिपोर्टिंग ऐप) के संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में आगामी कार्ययोजना की समीक्षा की गई और नागरिकों को बेहतर सड़क सुविधाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। बैठक में लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने लोकपथ ऐप (पॉट होल रिपोर्टिंग ऐप) निर्माण की वर्तमान प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की एवं ऐप को शीघ्र ही कार्यान्वित करने के निर्देश दिये। मंत्री श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इस एप के सफल कार्यान्वयन के लिए पूर्ण समर्पण और तत्परता से कार्य करें। उन्होंने यह भी कहा कि इस पहल से न केवल सड़कों की स्थिति में सुधार होगा, बल्कि नागरिकों का विश्वास भी विभाग पर और अधिक बढ़ेगा।मंत्री श्री सिंह ने कहाँ की लोकपथ एप के उपयोग से न केवल गड्ढों की त्वरित मरम्मत संभव होगी, बल्कि इससे नागरिकों की भागीदारी भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहाँ की यह एप सड़क सूचना एवं प्रबन्धन प्रणाली के साथ सुरक्षा और यातायात की सुगमता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। बैठक में प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया गया कि इस एप के माध्यम से आम नागरिक अपने मोबाइल से गड्ढों की जियोटेग्ड फोटो खींच कर विभाग को सूचित कर सकेंगे।

गड्ढों का फोटो जीपीएस लोकेशन के साथ संबंधित कार्यपालन यंत्री को प्राप्त होगा, जिससे गड्ढों की मरम्मत तेजी से और सही तरीके से की जा सकेगी।निर्धारित समय सीमा में गड्ढों की मरम्मत के बाद संबंधित यंत्री सुधार कार्य का फोटो पुन: मोबाइल एप से अपलोड करेंगे। इस प्रक्रिया के पूरा होने पर नागरिक को सूचना प्राप्त होगी, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकेगी। इसके अलावा, राज्य स्तर पर शिकायतों की निगरानी और निराकरण की भी व्यवस्था की जाएगी

उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाने खाद्य मंत्री का नवाचार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरणों पर सत्यापन पश्चात उसमें किसी भी प्रकार की हेराफेरी न हो एवं तौल उपकरण की प्रमाणिकता सुनिश्चित करने के उदेश्य से तौल उपकरणों के मुद्रांकन में पेपर सील का उपयोग किया जाएगा। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरणों पर सत्यापन स्टाम्प लगाये जाने के लिये पूर्व प्रक्रिया के साथ-साथ पेपर सील का भी उपयोग किया जाएगा। पेपर स्टॉम्प बनाये जाने के लिये ऐसी पेपर सामग्री का उपयोग किया जाएगा जो आसानी से कटे-फटे नहीं एवं पानी या तेल लगने पर खराब न हो। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरण पर चिपकाने वाले पेपर स्टॉम्प का उपयोग किया जायेगा। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि पेपर स्टॉम्प को तौल उपकरण पर चिपकाने के लिये ऐसा गोंद इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे पेपर स्टॉम्प एक बार तौल उपकरण पर चिपकाने के पश्चात् बिना कटे-फटे न निकल सके। इसके अलावा प्रत्येक पेपर स्टाम्प पर मध्यप्रदेश शासन का लोगो अंकित किया जाएगा। विभाग द्वारा इस नवाचार को अपनाने के लिए मंत्री श्री राजपूत के निर्देश पर विभागीय अधिकारियों की एक 5 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। समिति ने इलेक्ट्रॉनिक तौल यंत्रों पर पेपर स्टॉम्प लगाये जाने की अनुशंसा की है। मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि प्रदेश के व्यापारियों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरणों का निरंतर उपयोग किया जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरणों पर मुद्रांकन के लिये उपयोग में लाई जाने वाली सत्यापन प्लेट में एकरूपता नहीं है। मुद्रांकन के लिए उपयोग में लाई जाने वाली सत्यापन प्लेट के निर्धारित प्रारूप नहीं होने से इसकी प्रमाणिकता निर्धारित करना संभव नहीं है। बाजार में उपलब्ध एवं अनुज्ञप्तिधारकों द्वारा छपाई जाने वाली सत्यापन प्लेटों में कोई भी निगरानी तंत्र न होने से बडे स्तर पर विभागीय राजस्व की चोरी होने और नकली मुद्राओं के द्वारा स्टॉम्प करने की संभावना हमेशा बनी रहती है। राज्य के बाहर से आने वाले तौल यंत्रों के और राज्य के भीतर निर्मित होने वाले तौल उपकरणों पर लगी स्टॉम्प को पहचानना संभव नहीं है। इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरणों पर स्टॉम्प लगाने एवं सीलिंग का मुख्य उद्देश्य तौल उपकरणों की प्रमाणिकता को बनाये रखना और सत्यापन पश्चात उसमें किसी भी प्रकार की हेराफेरी को रोकना है।

गौ-शाला में किया गौ-माता का पूजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने शनिवार को गोविंदपुरा में कोकता बायपास स्थित गौ-शाला में गौ-माता का पूजन किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को पूरा करने हम सब कृत-संकल्पित हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्ष 2024-25 को गौ-वर्ष के रूप में मनाने का संकल्प लिया है। इस दौरान प्रदेश के सभी जिलों में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और गौ-शाला में आने वाली नई गायों का स्वागत किया जाएगा।

गौ-माता के प्रति जागरूकता लाने के लिए यह कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि गौ-माता की सेवा करने से घर में लक्ष्मी का वास होता है एवं सुख शांति बनी रहती है। श्रीमती गौर ने कहा कि यह कार्यक्रम गौ-पालकों को एक संदेश के साथ-साथ संकल्प भी दिलाता है। इसमें हर सनातनी का समर्पण आवश्यक है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने गौशाला में एक पौधा मां के

नाम के अन्तर्गत पौध-रोपण किया। इसके साथ गौ-माता को गुड़ एवं केले खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। पार्षद छाया ठाकुर, ममता विश्वकर्मा, श्री टी आर मिश्रा, श्री बारेलाल अहिरवार, श्री प्रदीप लोधी, श्री पप्पू भैया, मौजूद रहे।

अपर मुख्य सचिव ऊर्जा, विद्युत कनेक्शनों की जांच करने स्वयं पहुंचे मुरैना

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री मनु श्रीवास्तव ने मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के भिंड, मुरैना व श्योपुर सर्किल में विद्युत कनेक्शनों की जांच स्वयं करने के लिए मुरैना पहुंचे। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा को विद्युत कनेक्शनों की जांच करने पर जानकारी मिली कि मुरैना में सबसे महंगी जमीन वाली बसाहट में अधिकांश विद्युत उपभोक्ता प्रदेश शासन की अटल ज्योति का लाभ ले रहे हैं। मुरैना शहर में शासकीय रजिस्ट्री वाले 2500 से 84000 रूपए स्क्वेयर सेमी के प्लाट में मकान बनाने वाले अधिकांश विद्युत उपभोक्ता अटल ज्योति योजना का लाभ लेते हुए सब्सिडी प्राप्त कर रहे हैं। इन विद्युत उपभोक्ताओं ने मीटर खराब कर के या सीधे कटिया लगा कर बिजली का अवैध उपभोग कर रहे थे। अपर मुख्य सचिव जो कि चम्बल संभाग के प्रभारी भी हैं, ने आज संभाग के कमिश्नर, सभी कलेक्टर, सभी पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारियों व मध्य क्षेत्रविद्युत वितरण कंपनी के वरिष्ठ अभियांताओं के समक्ष बैठक में एक प्रजेन्टेशन देते हुए जानकारी दी कि भिंड, मुरैना व श्योपुर में बिजली हानि 80 से 90 प्रतिशत तक है। प्रशासन के सहयोग से इस पर नियंत्रण पाया जा सकता है। आधार व समग्र में डुप्लीकेसी-अपर मुख्य सचिव श्री मनु श्रीवास्तव ने अपने प्रजेन्टेशन में संभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी कि भिंड, मुरैना व श्योपुर के अधिकांश विद्युत उपभोक?ताओं के केवॉयसी (नो योर कस्टमर) में आधार व समग्र की डुप्लीकेसी पायी गई। अपर मुख्य सचिव पहुंचे समृद्ध कॉलोनियों में-अपर मुख्य सचिव ऊर्जा बैठक के पश्चात मुरैना की कुछ समृद्ध कॉलोनियों व बसाहट में गए और विद्युत नेटवर्क का निरीक्षण किया।

भूमिहीन कृषि मजदूरों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये बहुआयामी प्रयास करने की आवश्यकता -ऊर्जा मंत्री

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख ने चित्रकूट प्रकल्प के माध्यम से भूमिहीन कृषि श्रमिकों के लिये जो मॉडल प्रस्तुत किया है वह आत्मनिर्भर ग्रामो के साथ-साथ आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को साकार करने के लिये आधारभूत प्रेरणास्रोत है। हमें आज के समय में भूमिहीन कृषि मजदूरों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये बहुआयामी प्रयास करने की आवश्यकता है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने यह बात भूमिहीन खेतिहर मजदूरों के आर्थिक सशक्तिकरण से कृषि प्रक्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लक्ष्य पर महात्मा गॉधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर कही। दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, दीनदयाल शोध संस्थान और मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद एक साथ मिलकर कर रहे है। इस संगोष्ठी में देश भर के अनेक राज्यों से विद्वान विचार-विमर्श के लिये एकत्र हुये हैं। भूमिहीन श्रमिकों के प्रश्न को

संवेदनशीलता, प्रतिष्ठा, गरिमा और निजता से जोड़कर समाधान ढूंढने के लिये 'आउट आफ बॉक्स' विचार करने का आग्रह विशिष्ट अतिथि और पूर्व केन्द्रीय मंत्री संजय पासवान ने किया। उन्होंने कहा कि भारत विरोधी ताकतें कृषक और भूमिहीन श्रमिकों में संघर्ष देखना चाहती हैं, किन्तु हमारा प्रयास समन्वय से समाधान निकालने का होना चाहिये। हमारे प्रयास केवल आर्नामेंटल नहीं इंस्ट्रूमेंटल होना चाहिये। संगोष्ठी के सूत्रधार और सामाजिक समरसता के राष्ट्रीय संयोजक श्यामप्रकाश ने कहा कि पाश्चात्य चिन्तन ने हमारी दृष्टि कृषकों और भूमिहीन श्रमिकों में भेद करने का प्रयास किया है पर वस्तुत: यह दोनों एक ही हैं। ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. भरत मिश्रा ने कहा कि महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय अपने नवाचारों के माध्यम से देश में अपनी विशेष पहचान बना रहा है।

आईपीएचएस मानकों की पूर्ति से स्वास्थ्य सेवाएँ होंगी सशक्त

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश विज़न में भारतीय लोक स्वास्थ्य मानकों के आधार पर स्वास्थ्य संस्थाओं में मानव संसाधन की पूर्ति करना प्रदेश की सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा गया है। सशक्त आत्मनिर्भर प्रदेश के लिए नागरिकों का स्वास्थ्य आधारशिला है। गुणवत्तापूर्ण लोक स्वास्थ्य सेवाओं का प्रदान सुनिश्चित करना इसके लिए महत्वपूर्ण है। इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिये आई.पी.एच.एस. मानक निर्धारित किये गये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विजनरी नेतृत्व और उप-मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल की प्रतिबद्धता से प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के सतत प्रयास हो रहे हैं। कैबिनेट ने स्वास्थ्य सुविधाओं को सशक्त करने के लिए संशोधित मानव संसाधन मानदंडों (आईपीएचएस) को मंजूरी दी है। राज्य स्तरीय मानक अनुसार स्वास्थ्य संस्थाओं में 46 हज़ार 491 नवीन पदों (नियमित/संविदा/आउटसोर्स) के सृजन की स्वीकृति दी गयी है। इनमें 27 हज़ार 838 पदों की पूर्ति एन.एच.एम. अंतर्गत तथा शेष 18 हज़ार 653 पदों की पूर्ति स्वास्थ्य विभाग द्वारा आगामी 2 वित्तीय वर्षों में की जायेगी। इनमें 518 चिकित्सा अधिकारी, 854 विशेषज्ञ, 4 हज़ार 423 नर्सिंग अधिकारी, 894 लैब तकनीशियन, 85 फिजियोथेरेपिस्ट, 626 ओटी तकनीशियन, 51 काउंसलर, 33 अस्पताल प्रबंधक, 45 अस्पताल अधीक्षक, 16 हज़ार 985 बहु-कुशल समूह डी कार्यकर्ता, 9 हज़ार 366 एएनएम, 165 एलएचवी, 10 हज़ार 179 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, 336 कंप्यूटर ऑपरेटर, 114 अस्पताल सहायक, 1 हज़ार 705 कोल्ड चेन और वैक्सीन लॉजिस्टिक सहायक और 112 वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी के पद शामिल हैं। स्वास्थ्य संस्थानों में पूर्व में 47 हज़ार 949 नियमित पद स्वीकृत थे।

कैबिनेट द्वारा स्वास्थ्य संस्थानों के लिए नवीन 18 हज़ार 653 (जो लगभग 39 प्रतिशत की वृद्धि है) पदों की स्वीकृति से कुल 66 हज़ार 602 नियमित पद हो जाएँगे। प्रदेश के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 7 हज़ार 182, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में 5 हज़ार 346, सिविल अस्पतालों में 2 हज़ार 712 और जिला चिकित्सालयों में 3 हज़ार 458 नवीन पद की स्वीकृति कैबिनेट द्वारा प्रदान की गयी है।

आई.पी.एच.एस. की अनुसंशा अनुसार मानव संसाधन की उपलब्धता से मध्यप्रदेश में समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को 24ङ्क7 क्रियाशील रखा जा सकेगा। समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में सातों दिन 24 घंटे प्रसव सुविधाएँ उपलब्ध की जा सकेंगी। समस्त स्वास्थ्य केन्द्रों में आवश्यक औषधियाँ एवं आवश्यक पैथोलॉजी जाँच और आवश्यक प्राथमिक उपचार एवं रेफ़रल सेवाएँ सुनिश्चित हो सकेंगी। समस्त सिविल अस्पताल एवं जिला चिकित्सालयों में आवश्यक नैदानिक जाँच जैसे एक्स रे, सोनोग्राफी एवं सी टी स्कैन प्रदान की जा सकेंगी। समस्त विकासखंडो में क्रियाशील ब्लड बैंक संचालित किये जा सकेंगे। समस्त शासकीय चिकित्सालयों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के अनुसार तैयार किया जा सकेगा

एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

नवीन कानून में पीड़ितो को मिलेगा शीघ्र व सुलभ न्याय : पुलिस अधीक्षक

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। रविवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में 1 जुलाई 2024 से लागू होने जा रहे नवीन आपराधिक अधिनियम 2023 को दृष्टिगत रखते हुए मा.न्यायाधीश विधिक सेवा प्राधिकरण की उपस्थिति एवं पुलिस अधीक्षक सीधी डॉ रविंद्र वर्मा के अध्यक्षता में पुलिस के राजपत्रित अधिकारी एवं समस्त थाना, चौकी प्रभारियों के लिये कार्यशाला आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव व पुलिस अधीक्षक पीटीएस रीवा सहित पुलिस के राजपत्रित अधिकारी एवं थाना प्रभारीगण उपस्थित रहें। कार्यशाला में नवीन कानून संबंधी जानकारी दी गई। कार्यशाला के दौरान पुलिस अधीक्षक सीधी ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों से कहा कि 1 जुलाई से नये कानून को प्रभावी

बनाने के लिये सभी एजेंसियां अपने.अपने स्तर पर लगी हुई हैं और अब हम सभी की नवीन कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की जिम्मेदारी है। नवीन कानून न्याय पर आधारित है और पुलिस का उद्देश्य है कि पीड़ित को इसके माध्यम से शीघ्र व सुलभ न्याय मिले।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए न्यायाधीश विधिक सेवा प्राधिकरण ने कहा कि हमारे पास जितनी भी धाराएं 1860 से चली आ रही हैं, अभी तक लगभग वही हैं। अपराध वही रहेगें, अपराध चेंज नही होना है सिर्फ एक धारा का ही परिवर्तन होना है, इन धारा की बजाय उस धारा को एफआईआर में हवाला डालना है। हलाकि कुछ चीजे ऐसी होती है कि हमें कुछ समय लगता है जो समय के साथ ही सीखेंगें। किसी भी कानूनी समस्या का हल सिर्फ कानून की किताब है, आप किताबों को पढ़ना और समझना शुरू कर दियें तो शायद ट्रेनिंग की जरूरत पड़ेगी। हमारा तो लिखित संविधान है हमारे हर कानून लिखित हैं, जो चीज लिखा हुआ नही है उसके संबंध में कोई निराकरण सिर्फ न्यायालय ही कर सकता है। आप लोग वही करें जो हमारी किताबों में लिखा हुआ है।

पीड़ितो के साथ सहानुभूति पूर्ण व्यवहार करें - एसपी

कार्यशाला में पुलिस अधीक्षक सीधी द्वारा जिले के थानों में पदस्थ थाना प्रभारियों को नवीन प्रक्रियाओं के तहत हुए बदलाव से अवगत कराकर उनका 1 जुलाई 2024 से पालन करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सीधी द्वारा कहा कि 1 जुलाई को थाने में आने वाले सभी फरियादियों की कार्यवाही थाना प्रभारी स्वयं करें, जिससे किसी तरह की परेशानी आमजन को न हो सके और आप सभी को थाने में आने वाले पीड़ित के साथ सहानुभूति पूर्ण व्यवहार रखते हुए उनकी सुनवाई करें। आप सभी अपने.अपने मोबाइल में ई.संकलन एवं ई.साक्ष्य एप आवश्यक रूप से डाउनलोड करें। ई.साक्ष्य एप में फोटो वीडियो दर्ज करना सभी अधिकारियों को आना चाहिए इसके लिए आप सभी को उक्त कार्य में पारंगत होने की आवश्यकता है और नवीन कानून से संबंधित जानकारियां अन्य विवेचकों से भी साझा करना चाहिए। एक दूसरे के सहयोग से नवीन कानून का सफल क्रियान्वयन होगा।

दो बालिकाओं का हुआ अपहरण -

महज 6 घंटे में रामपुर नैकिन पुलिस ने किया दस्तयाब, सौंपा परिजनो को

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक डॉ. रविंद्र वर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव के मार्गदर्शन मे एवं थाना प्रभारी रामपुर नैकिन निरीक्षक सुधांशु तिवारी के नेतृत्व में महज 6 घंटे के अंदर 2 नाबालिग बालिकाओं को दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। वहीं परिजनो ने पुलिस टीम के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है।

थाना रामपुर नैकिन निरीक्षक सुधांशु तिवारी ने बताया कि 29 जून 24 को शिकायत प्राप्त हुई कि 28 जून को 2 नाबालिग लड़कियाँ जिनकी उम्र क्रमशः 12 वर्ष 6 माह एवं 12 वर्ष 8 माह दोनों निवासी कस्बा रामपुर नैकिन की घर से महुआ की डोरी दाना बिनने के लिये कह कर घर से गई किन्तु निर्धारित समय से वापस नहीं आने पर जान पहचान व नातेदारी में उनकी खोज खबर ली गई किन्तु कहीं पता नहीं चला।

उक्त शिकायत के आधार पर थाना रामपुर नैकिन मे गुम इंसान क्र.107/24, 108/24 एवं अपराध क्र. 585/23 धारा 363 ताहि का पंजीबद्ध किया जाकर पता तलाश में लिया गया। जो पता तलाश दौरान महज 6 घंटे के अंदर ग्राम बेलकसरी थाना रामपुर नैकिन से दस्तयाब किया जाकर परिजनों को सुपुर्दगी मे दिया गया एवं अग्रिम कार्यवाही जारी है।

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में पूरे प्रदेश में बहुत अच्छा कार्य हुआ है। जल संवर्धन के जो कार्य जारी हैं उन्हें अधिक बरसात होने से पहले पूरा कर लें। जल संरक्षण और संवर्धन का अभियान एक दिन का नहीं है इसके लिए हमें सतत प्रयास करने होंगे। जल गंगा संवर्धन अभियान में आम जनता ने बहुत अच्छा सहयोग दिया है। जन सहयोग से इस अभियान को हम लगातार जारी रखेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ने वृक्षारोपण का आह्वान किया है। हर जिले में पूरी कार्य योजना बनाकर पौधों की सुरक्षा और देखभाल की पूरी व्यवस्था करते हुए वृक्षारोपण कराएं। हर जिले में स्मृति वनों का निर्माण कर के उसमें आम जनता से उनके पूर्वजों की स्मृति में पौधे लगाएं। पर्यावरण के संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अनिवार्य है। हर परिवार कम से कम एक पौधा अवश्य रोपित करें और उसकी देखभाल करें। वन विभाग भी खाली पड़ी वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कराए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश भर में 1 जुलाई से तीन नए कानून लागू किया जा रहे हैं। इनमें भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता के स्थान पर नए कानून का निर्माण किया गया है। पुलिस अधिकारियों, राजस्व अधिकारियों को नए कानून के संबंध में प्रभावी प्रशिक्षण दें ।आम जनता को नए कानून तथा उनकी धाराओं की जानकारी देने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार अभियान चलाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग के सभी चेक पोस्ट बंद कर दिए गए हैं। अब जिले में प्रवेश करने के बाद वाहनों की जांच की जाएगी। इसके लिए 211 होमगार्ड परिवहन विभाग को प्रदान कर दिए गए हैं। प्रत्येक जिले में उड़न दस्ते गठित करके वाहनों की जांच कराएं। ओवरलोड वाहनों तथा अन्य अनियमिता करने पर कड़ी कार्रवाई करें। प्रदेश भर में स्कूल शुरू हो गए हैं। सभी कलेक्टर स्कूल बसों की सघन जांच कराएं। बसों में सुरक्षा उपायों तथा किसी भी तरह की कमी होने पर कड़ी कार्रवाई करें।

बैठक में अपर मुख्य सचिव ने बताया कि वन विभाग 82806 हेक्टेयर में 5 करोड़ 39 लाख पौधे रोपित करेगा।

पुलिस अधीक्षक ने जिले में चलाया जन जागरूकता कार्यक्रम

आज से नवीन आपराधिक कानून लागू, हाईटेक ढंग से पुलिस करेगी कार्य

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। भारत सरकार के निर्देशानुसार 1 जुलाई 2024 से नवीन आपराधिक कानून 2023 लागू हो गया है। जिसके सफल क्रियान्वयन हेतु सीधी पुलिस के समस्त अधिकारी कर्मचारी भी पूरी तरह से प्रशिक्षित होकर कार्यवाही करें तथा आमजन भी इस संबंध में जागरूक रहें, इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ रविंद्र वर्मा द्वारा समस्त अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गयीं वहीं आम जनता में भी इसका प्रचार प्रसार हेतु कार्यवाही के दिशा.निर्देश दिये गये है। जहाँ अरविन्द श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में विगत दिनों से लगातार पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नए आपराधिक कानून.2023 की प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की जा रही है साथ ही आम नागरिकों के बीच जाकर भी नए कानून के विभिन्न प्रावधान व सुविधाओं के बारें में प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

इसी कड़ी में शनिवा को समस्त थाना प्रभारियों के नेतृत्व मे सार्वजनिक स्थलों पर पहुंच कर वहा उपस्थित लोगो को नवीन आपराधिक कानूनों के विभिन्न प्रावधानों के बारें में विस्तृत रूप से जानकारी दी। पुलिस टीम ने सभी को बताया कि तीनों नवीन कानून . भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम आम जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए बनाये गए है। इसमें महिलाओं व बच्चों से संबंधित अपराधों में पीड़ितों की समस्याओं को केंद्र में रखकर, अपराधियों के लिए और कड़ी सजा आदि पर ध्यान दिया गया है। कही पर भी घटना होने पर परिस्थिति वश कही पर भी एफआईआर की सुविधा तथा ई एफआईआर का भी प्रावधान है ।

नये कानून में डिजिटल साक्ष्य, फोरेंसिक साक्ष्यों के महत्व को बढ़ाया गया है एवं हर चीज की समय सीमा को निर्धारित किया गया है। कितने समय में विवेचना पूर्ण करके चार्ट शीट पेश करना है और केस की अपडेट पीड़ित को समय सीमा में दी जाएगी। गवाह व पीड़ित आदि के बयान की वीडियो ग्राफी तथा बयान इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से लेने की भी प्रक्रिया है। पुलिस टीम ने उन्हें नए व पुराने कानूनों के तुलनात्मक चार्ट और प्रावधानों को पीपीटी व पोस्टर आदि के माध्यम से समझाया। इसी अनुक्रम में सीधी पुलिस द्वारा लगातार पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को नवीन आपराधिक कानूनों के संबंध में प्रशिक्षित किया जा रहा है। साथ ही आमजनो को भी इसका ज्ञान हो इसको ध्यान में रखते हुए जिला सीधी के सभी थानो में भारतीय न्याय संहिता एंव भारतीय दण्ड संहिता के तुलनात्मक विवरण के पोस्टर लगाये गये ताकि थाने पर आने वाले किसी भी फरियादी एंव आमजन को नवीन अपराधिक कानून की विभिन्न धाराओं व प्रावधान के बारे में जानकारी रहे और उन्हें वे किसी भी प्रकार से भ्रमित ना रहे।

भ्रष्टाचार का गढ़ बना जवा जनपद पंचायत

ग्राम पंचायत पैरा में उपयंत्री के मिलीभगत से सरपंच ने लाखों रुपये का किया ओरा न्यारा

मीडिया ऑडीटर, जवा निप्र। जवा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत पैरा से भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। जहा पर सरपंच सत्येन्द्र पांडेय ने उपयंत्री सुरेंद्र मिश्रा और पूर्व जनपद सीईओ नागेंद्र सिंह के सह पर हर विकास कार्यो में जमकर भ्रष्टाचार किये है चाहे नाली निर्माण हो,चाहे पीसीसी निर्माण कार्य हो या अन्य कोई निर्माण कार्य हो सभी मे लीपापोती कर लाखो रुपए का ओरा न्यारा किया गया। जिसकी शिकायत शिकायतकर्ता प्रभाकर मिश्रा के द्वारा जिला सीईओ और पूर्व प्रभार जनपद पंचायत सीईओ से की गई। लेकिन 1 वर्ष होने को है आज तक न ही कोई कार्यवाही हुयी न ही कोई जांच हुई।

शिकायतकर्ता ने बताया जाता है कि सरपंच के द्वारा एलबीएस के तहत फरहैया नाले में लूज बोल्डर डैम के नाम पर मस्टर चलाया गया जिसमे लगभग 3 लाख रुपये भी निकाले गए लेकिन उक्त नाले में कोई कार्य नहीं हुआ है उसके स्थान पर फरहैया नाले के बगल में सरपंच द्वारा खेत में खखरी बनाई गयी जिसकी जानकारी शिकायतकर्ता के द्वारा पूर्व जवा जनपद सीईओ नागेंद्र सिंह को अगस्त 2023 में निर्माण कार्य के दौरान फ़ोटो और वीडियो भेज कर दी थी जिसमे नागेंद्र सिंह ने आश्वासन दिया गया था कि कार्यवाही होगी और राशि की बसूली की जाएगी। लेकिन आज तक कोई कार्यवाही नही हुई। कार्यवाही हो भी तो कैसे? क्योंकि पूर्व जवा जनपद सीईओ बीते कई बर्षो से जवा में संविदा मनरेगा अधिकारी के पद पर पदस्थ थे उन्हें इन भ्रष्टाचार के सभी दांव पेंच मालूम है की भ्रस्टाचार के मामले में कुछ भी नही होना है।आपको बता दे कि बीते वर्षों से पूरे जवा जनपद पंचायत के सभी ग्राम पंचायतों मे निर्माण कार्य के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है शिकायत पर फ़रमल्टी हेतु किसी निर्माण कार्य को अधिकारियों द्वारा देखा जाता है जनता सामने बोला जाता है इसके बाद सारी जांच कागजो तक सीमित रह जाती है। जबकि जवा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायतों में हो रहे भ्रस्टाचार की खबर भी प्रकाशित हो रही है लेकिन कोई देखने सुनने वाला नही हैकुल मिलाकर इस वक़्त जवा जनपद पंचायत भ्रष्टाचार का गढ़ बना हुआ है।

प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए लाभकारी : डॉ मिश्रा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम जिले भर में सुनी गई। ग्राम बैरिहा पश्चिम में लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनने के पश्चात सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का कार्यक्रम समाज के प्रत्येक वर्ग के

कल्याण के लिए लाभकारी है। इसे सुनने के पश्चात देश के कोने.कोने में हो रहे, अच्छे कार्यक्रमों की जानकारी मिलती है। जिसके कारण हमारा आत्म बल बढ़ता है। वही अध्यक्षीय उद्बोधन मे भाजपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश एवं केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का कार्यक्रम जिले के 1035 बूथो पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया है। सभी मतदान केन्द्रो पर आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ो लोग शामिल हुए हैं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व जिला अध्यक्ष के के तिवारी, जनपद अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह परिहार वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ देवेंद्र त्रिपाठी सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किया पौधारोपण:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के पश्चात देशव्यापी चलाए जा रहे अभियान एक पेड़ मां के नाम के तहत सांसद डॉ राजेश मिश्रा और भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने सैकड़ो साथियों के साथ मिलकर अनेक छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण किया और सभी से अपील की कि सभी लोग अपनी अपनी मां के नाम एक.एक पौधा अनिवार्य रूप से आरोपित करें।

जिले में जगह-जगह कोयले का हो रहा अवैध भंडारण

सीधी निप्र। जिले में इन दिनों कोयले का अवैध धंधा जोरों पर है। आये दिन अवैध कोयले की खेप सिंगरौली से आने वाले ट्रकों के माध्यम से निकलवाई जा रही है। जो की बहरी थाना क्षेत्र इसकी भरमार देखने को मिल रही है वहीं कोतवाली एवं जमोड़ी थाना क्षेत्र के कई स्थलों पर भी कोयले का अवैध भंडारण एवं मिलावट खोरी का खेल जोरों पर चल रहा है। सूत्रों की मानें तो इन हाइवा चालकों व माल प्राप्त करने वाले कर्मियों को बड़ी चालाकी से सेटिंग कर कोयला अन्यत्र स्थान पर गिराने की सेटिंग की जाती है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, संजय गांधी महाविद्यालय में आज दीक्षारंभ समारोह

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस-संजय गांधी स्मृति शासकीय महाविद्यालय सीधी में सत्र 2024-25 स्नातक बीए, बीएससी, बीकॉम एवं स्नातकोत्तर की समस्त कक्षाओं के नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत दीक्षारंभ समारोह का आयोजन दिनांक 1 जुलाई 2024 से 3 जुलाई 2024 तक आयोजित होना है। जिसमें सभी नव प्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय में दिनांक 1 जुलाई को सुबह 9 बजे महाविद्यालय में उपस्थित होकर पंजीयन करवाना होगा, जिसके लिए सभी छात्र-छात्राएं अपने साथ प्रवेश रसीद लेकर अनिवार्य रूप से उपस्थित हो। तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य नव प्रवेशत छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक, गैर शैक्षणिक, कार्यालयीन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से परिचित करवाना है। तीन दिवसीय वृहद कार्यक्रम में 1 जुलाई को पंजीयन एवं उद्घाटन सत्र महाविद्यालय के अटल ऑडिटोरियम में होने के बाद परिसर भ्रमण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं परीक्षा प्रणाली की जानकारी तथा वरिष्ठ छात्रों से परिचय कार्यक्रम होगा। 2 जुलाई को शैक्षणिक गतिविधियों जैसे 75 प्रतिशत उपस्थित, सीसीई, प्रोजेक्ट, प्रैक्टिकल, छात्रवृत्ति, पाठ्यक्रम, प्रयोगशाला, प्रोजेक्टर अवलोकन, कैरियर मार्गदर्शन एवं प्लेसमेंट, इनक्यूबेशन सेंटर, एनसीसी एनएसएस, स्पोर्ट्स इत्यादि की जानकारी प्रदान की जाएगी। 3 जुलाई को छात्रावास, बस परिवहन, सूचना का अधिकार एवं अनुसंधान संबंधी जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के अंत में नव प्रवेशित छात्रों का टैलेंट शो भी होगा तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन समारोह संपन्न होगा।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी.के. सिंह ने महाविद्यालय के समस्त नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं से अपील की है कि दिनांक 1 जुलाई को प्रातः 8.30 बजे महाविद्यालय के अटल ऑडिटोरियम में उपस्थित होकर अपना पंजीयन करा कर दीक्षारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित हों।

प्राथमिक शिक्षा में बच्चों के सर्वांगिंण विकास हेतु संगीत क्लास की जरूरत : डॉ.राज कुमार शर्मा

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। डॉ.राज कुमार शर्मा संगीत गुरू ने प्राथमिक शिक्षा में संगीत को जोड़ने की बात पर जोर देते हुए कहा कि कला का मानव जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है तथापि संगीत इस क्षेत्र में सबसे अग्रणी है। मानव जीवन ही क्या संपूर्ण प्रकृति संगीत से प्रभावित है। प्रकृति के कण कण में संगीत की सजीवता विद्यमान है, मानव के हृदयगत भावों का उदगार जिस भाषा से हुआ वह संगीत की भाषा थी। वास्तविक सांप्रदायिक एकता पूर्ण रूप से संगीत में दिखाई देती है। किसी भी बालक या बलिका के सर्वांगिंण विकास हेतु एवं एक शसक्त मजबूत भारत के निर्माण में संगीत का योगदान

अहम है। सरकार को इस ओर ध्यान देकर त्वरित रूप पाठ्यक्रम में शामिल करने की आवश्यकता है।

सीधी के डॉ.राजकुमार शर्मा जो वर्तमान में खैरागढ़ छत्तीसगढ़ संगीत विश्वविद्यालय से जुड़े हुए हैं उन्होने सीधी जिले के विद्यार्थियों के सर्वांगिंण विकास हेतु पाठ्यक्रम में शामिल करने की अनिवार्यता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह संगीत का प्रभाव है जो हमें ऐसी दुनिया में ले जाता है जहां धर्म कर्म जाति और यहां तक की भाषा का कोई भी भेदभाव नहीं रहता और एक आत्मीय एकता प्रकट होती है। संगीत हृदय की भाषा है जिसमें उदारता, नम्रता, सहनशीलता आदि मानवीय गुणों का उत्कर्ष होता है। संगीत को केवल मनोरंजन की वस्तु न मानकर इसको नाथ विद्या का दर्जा देकर छात्र के व्यक्तित्व के संतुलित विकास के लिए अन्य विषयों के साथ-साथ प्राथमिक स्तर से ही संगीत शिक्षा की आवश्यकता पर बल देना चाहिए।

संगीत माध्यम से समाज और देश का होगा उत्थान - डॉ.राजकुमार

डॉ.राजकुमार ने बताया कि वास्तव में शिक्षा केवल ज्ञान अथवा जीविका का उपार्जन नहीं है वरन शिक्षा संपूर्ण जीवन के परिष्कार एवं विकास की प्रणाली है। बालकों की व्यक्तिगत जानकारी प्राप्त करने में संगीत बड़ा सहायक सिद्ध हुआ है। उनके मनोभावों की जानकारी प्राप्त करने के बाद उनके मन से हीन भावना चिड़चिड़ापन आदि संगीत के द्वारा दूर करने में बड़ी सफलता मिली है।

संगीत द्वारा स्मृति, कल्पना और रचना शक्ति का विकास होता है साथ ही जिन बच्चों का मानसिक स्तर साधारण से भी काम होता है, संगीत उनकी बुद्धि के विकास में भी सहायक है। बच्चों में नैतिकता और अनुशासन का पाठ प्रवचन ना देकर गीतों के माध्यम से सरलता से सिखाया जा सकता है। इस प्रकार जब बालकों का नैतिक और चारित्रिक उत्थान होगा तो वह निश्चय ही बड़े होकर अच्छे नागरिक बनकर अपने समाज और देश का उत्थान करेंगे।

विचार

स्वच्छ और सुरक्षित फुटपाथ क्यों है जरूरी?

हाईकोर्ट ने शहर में अनधिकृत रेहड़ी-पटरी वालों की समस्या पर पिछले वर्ष स्वत: संज्ञान लिया था। पीठ ने कहा कि उसे पता है कि समस्या बड़ी है, लेकिन राज्य व नगर निकाय सहित अन्य अधिकारी इसे ऐसे ही नहीं छोड़ सकते। यह एक मौलिक अधिकार है। हम अपने बच्चों को फुटपाथ पर चलने को कहते हैं, लेकिन अगर चलने को फुटपाथ ही नहीं होंगे तो हम उनसे या कहेंगे? इस बीच आम-आदमी के मस्तिष्क में इस सवाल का कौंधना स्वाभाविक है कि आखिर मूल अधिकार से या अभिप्राय है? दरअसल, मूल अधिकार ऐसे अधिकारों का समूह है जो किसी भी नागरिक के भौतिक (सामाजिक, आर्थिक तथा राजनैतिक) और नैतिक विकास के लिए आवश्यक हैं। इसके साथ ही मौलिक अधिकार किसी भी देश के संविधान द्वारा प्रत्येक नागरिक को दी गई आवश्यक स्वतंत्रता और अधिकारों के एक समूह को संदर्भित करते हैं। ये अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता की आधारशिला को भी निर्मित करते हैं तथा नागरिकों की राज्यों के मनमाने कार्यों एवं नियमों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। ये अधिकार बुनियादी मानवाधिकारों एवं स्वतंत्रताओं को सुनिश्चित करते हैं। एक राष्ट्र के भीतर लोकतंत्र, न्याय और समानता को बनाए रखने के लिए ये अधिकार संविधान का अभिन्न अंग हैं। बाम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि जब प्रधानमंत्री या कोई वीआईपी आता है, तो सड़कों और फुटपाथ को एकदम चकाचक कर दिया जाता है। यदि एक दिन यह हो सकता है, तो सभी लोगों के लिए ऐसा हर रोज यों नहीं हो सकता। आखिरकार, नागरिक टैक्स देते हैं और साफ-सुथरे और सुरक्षित फुटपाथ पर चलना उनका मौलिक अधिकार है। बता दें कि जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस कमल खता की खंडपीठ ने कहा कि सुरक्षित और स्वच्छ फुटपाथ मुहैया कराना राज्य प्राधिकरण का दायित्व है। राज्य सरकार के केवल यह सोचने से काम नहीं चलने वाला कि शहर में फुटपाथ घेरने वाले अनधिकृत फेरीवालों की समस्या का समाधान कैसे निकाला जाए। राज्य सरकार को अब इस दिशा में कुछ कठोर कदम उठाने होंगे। उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट ने शहर में अनधिकृत रेहड़ी-पटरी वालों की समस्या पर पिछले वर्ष स्वत: संज्ञान लिया था। पीठ ने कहा कि उसे पता है कि समस्या बड़ी है, लेकिन राज्य व नगर निकाय सहित अन्य अधिकारी इसे ऐसे ही नहीं छोड़ सकते। यह एक मौलिक अधिकार है। हम अपने बच्चों को फुटपाथ पर चलने को कहते हैं, लेकिन अगर चलने को फुटपाथ ही नहीं होंगे तो हम उनसे या कहेंगे? इस बीच आम-आदमी के मस्तिष्क में इस सवाल का कौंधना स्वाभाविक है कि आखिर मूल अधिकार से या अभिप्राय है? दरअसल, मूल अधिकार ऐसे अधिकारों का समूह है जो किसी भी नागरिक के भौतिक (सामाजिक, आर्थिक तथा राजनैतिक) और नैतिक विकास के लिए आवश्यक हैं। इसके साथ ही मौलिक अधिकार किसी भी देश के संविधान द्वारा प्रत्येक नागरिक को दी गई आवश्यक स्वतंत्रता और अधिकारों के एक समूह को संदर्भित करते हैं। ये अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता की आधारशिला को भी निर्मित करते हैं तथा नागरिकों की राज्यों के मनमाने कार्यों एवं नियमों से सुरक्षा प्रदान करते हैं।

टूटी-फूटी सड़कों पर टोल-टैक्स लेना ज्यादती है

ललित गर्ग

बेहतर सेवाओं के नाम पर सरकारें कई तरह के शुल्क वसूलती है, इसमें कोई आपत्ति एवं अतिश्योक्ति नहीं है। लेकिन सेवाएं बेहतर न हो फिर भी उनके नाम पर शुल्क या कर वसूलना आपत्तिजनक एवं गैरकानूनी है। यह एक तरह से आम जनता का शोषण है, धोखाधड़ी है। राजमार्ग एवं अन्य मार्गों पर बेहतर एवं सुविधाजनक सड़कों के नाम पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूला जाता है, लेकिन विडम्बना एवं त्रासदी यह है कि टूटी-फूटी सड़कों के नाम पर भी टोल वसूला जाता है, जो अन्यायपूर्ण एवं आपत्तिजनक है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के हालिया बयान में जनता के इस बड़े होते दुःख, धोखाधड़ी एवं शोषण पर न केवल दुःख जताया बल्कि ऐसी जबरन की जा रही वसूली को रोकने के लिये अधिकारियों को चेताया है।

अपनी बात को बेबाकी से कहने वाले नितिन गडकरी ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कहा कि यदि सड़कें अच्छी हालत में न हों और लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हो, तो राजमार्ग पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूलने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि टोल टैक्स वसूलने से पहले हमें अच्छी सेवाएं देनी चाहिए। लेकिन हम अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिये टोल टैक्स वसूलने की जल्दी में रहते हैं। रोड टैक्स का उपयोग राज्य के भीतर सड़कों के रखरखाव और विकास के लिए किया जाना चाहिए न कि सरकार की आमद को बढ़ाने के लिये। ऐसे अनेक उदाहरण है कि बिना सुविधा एवं आवश्यकता के भी टोल टैक्स वसूला जा रहा है। राज्य सरकारें भी स्वतंत्र रूप से टोल वसूलती है। दूसरी ओर, टोल टैक्स एक उपयोगकर्ता शुल्क है जिसे वाहन मालिकों को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण या निजी ठेकेदारों को कुछ टोल सड़कों, जैसे राष्ट्रीय राजमार्ग, एक्सप्रेसवे, पुल और सुरंगों का उपयोग करने के लिए देना पड़ता है। जो अन्य सड़कों की तुलना में इन सड़कों को उच्च गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की माना जाता है। निश्चित रूप से केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क-क्रांति की है बल्कि व्यवस्था की खामियों को सुधारने के भी सराहनीय प्रयास किये हैं। किसी देश को विवेकपूर्ण, बेहतर सुविधाओं एवं विकास के नये मानकों के साथ चलाने के लिए सरकार को पात्र नागरिकों से बेहतर सुविधाओं के लिये कर एकत्र में कोई ऐतराज नहीं है; लेकिन सड़कें हो या अन्य सुविधाएं, अच्छी नहीं होने पर भी टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने पर उपभोक्ता स्वयं को ठगा हुआ एवं शोषित महसूस करता है, जिसके कारण टोल टैक्स या अन्य टैक्स वसूलने वाली एजेन्सियों के खिलाफ शिकायतें बढ़ती जा रही है। टोल टैक्स प्रणाली सरकार या निजी ठेकेदारों के लिए राजस्व सृजन का स्रोत नहीं होनी चाहिए, बल्कि जनता के लिए बेहतर और सुरक्षित सड़कें उपलब्ध कराने का साधन होनी चाहिए। निश्चित तौर पर गुणवत्ता की सेवा दिए बिना कोई टैक्स वसूलना उपभोक्ता के साथ धोखाधड़ी एवं अन्याय है। यह बात हर सरकारी व निजी महकमे पर भी लागू होती है। लेकिन यथार्थ में ऐसा होता नहीं है और बेहतर सेवा के बिना टैक्स वसूलने की स्थितियां लगातार बढ़ती जा रही है। इन स्थितियों को लेकर आम जनता एवं उपभोक्ताओं में विरोध एवं विद्रोह पनप रहा है, इसलिये सरकार एवं ऐसी एजेन्सियों के खिलाफ लोग लोक अदालतों से लेकर विभिन्न अदालतों के दरवाजे खटखटाते रहते हैं। किसी भी विभाग को अपनी खामियों पर पर्दा डालने के बजाय सेवा में सुधार की पहल करनी चाहिए। अब चाहे मामला राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्यरत एजेंसियों का हो या फिर बिजली-पानी जैसे मूलभूत जरूरतों वाले विभागों का, अधिकारियों को उपभोक्ताओं के प्रति संवेदनशील एवं जिम्मेदार होना चाहिए। नियंत्रण से बाहर होती हमारी व्यवस्था हमारे लोक-जीवन को न केवल अस्त-व्यस्त कर रही है, बल्कि आहत, पीड़ित एवं परेशान भी कर रही है। ऐसी अनेक सुविधाएं हैं जो सरकार के द्वारा जनता के लिये उपलब्ध कराई जाती है, इसके लिये सरकार टैक्स वसूलती है। लेकिन बिना सुविधा के भी टैक्स वसूलने की स्थितियां सरकार पर बदनूमा दाग है और ऐसे दाग लगातार बढ़ते जा रहे हैं। बहरहाल बात राजमार्गों पर वसूले जा रहे गैर वाजिब टोल टैक्स के बढ़ने की चिन्ता का है, जो एक त्रासदी है। इसी त्रासदी को केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री ने स्वीकारा और कहा कि सड़कें अच्छी नहीं होने पर तमाम शिकायतें हमें मिलती हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर लोग अपना गुस्सा जाहिर करते हैं। सही मायनों में गुणवत्ता की सड़क प्रदान करने पर ही हमसे टोल वसूलने का अधिकार मिलता है। जाहिर सी बात है कि गड्ढों व कीचड़ वाली सड़कों पर टैक्स वसूलने पर पब्लिक की नाराजगी स्वाभाविक रूप से सामने आएगी। निस्संदेह, परिवहन मंत्री की स्वीकारोक्ति एक अच्छा कदम एवं स्वागतयोग्य कदम है और हर विभाग के मंत्री को अपने अधीनस्थ विभागों की ऐसी कारगुजारियों एवं ज्यादतियों पर नजर रखनी चाहिए। जरूरत इस बात की भी है कि ऐसी शिकायत दर्ज करने और शिकायतों के तुरंत निवारण हेतु एक स्वतंत्र तंत्र भी विकसित किया जाना चाहिए। कई स्थानों पर सड़कों की गुणवत्ता में कमी, सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों का उजागर होना, गैरवाजिब टोल टैक्स वसूला जाना, उपभोक्ताओं को परेशान करता है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स चुकाने के लिये घंटों लाइन में लगना भी एक बड़ी समस्या है, भले ही इस समस्या से मुक्ति के लिये सरकार ने कदम उठाये हैं, फास्टैग व्यवस्था के लागू करने से लाइनें छोटी हुई है। आज 98 प्रतिशत वाहनों में स्मार्ट टैग के माध्यम से निर्बाध यात्रा की जा रही है। निश्चित तौर पर राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे आदि के बनने से यात्रियों का आवागमन सुविधाजनक हुआ है, पेट्रोल-डीजल में बचत हुई है एवं यातायात सुगम बना है। मोदी सरकार ने सड़कों को सुविधाजनक बनाया है। आने वाले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम आधारित टोल संग्रह प्रणाली को अंजाम देने की तैयारी में है। जिसके बाद राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल गेटों की जरूरत नहीं रह जाएगी। फिर टोल प्लाजा पर गाड़ी धीमी करने व रोकने की भी जरूरत नहीं रहेगी। इसे देश में चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। यह व्यवस्था सड़क-क्रांति को एक नई दिशा देगा। दरअसल, यह नया सिस्टम न केवल सही ट्रैकिंग कर पाएगा बल्कि यह राजमार्ग पर उपयोग की गई दूरी के आधार पर सटीक टोल गणना भी करेगा। बहुत संभव है आने वाले वर्षों में कार निर्माता कंपनियां अपने वाहनों पर ट्रैकिंग डिवाइस लगाएं। प्रारंभ में इस सिस्टम को प्रमुख हाईवे व एक्सप्रेस-वे पर लागू किया जाएगा। इसके बावजूद सरकार के लिये यह जरूरी है कि वह सड़कों की गुणवत्ता को बनाये रखे एवं गुणवत्ता वाली सुविधा की सड़कों पर ही टोल वसूले। राजमार्गों पर यात्रा करने के दौरान आपके बैंक खाते या डिजिटल वॉलेट से पैसा कट जाता है। इसमें भी गलत तरीके से पैसे कटने की शिकायतें बढ़ती जा रही है। किसी व्यक्ति के फास्टैग से बिना टोल से गुजरे टोल टैक्स काट लिया जाता है या ज्यादा टोल वसूल लिया जाता है, जो उपभोक्ताओं के लिये परेशानी का सबब है। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की 2019 की एक रिपोर्ट के अनुसार, सड़क निर्माण और रखरखाव के अपने लक्ष्यों को हासिल करने में विफल रहा है। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि एचएचआई ने टोल अनुबंधों को आकार देने और निगरानी के लिए निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया है और टोल सड़कों की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की है। रिपोर्ट में टोल संग्रह प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी और दोषपूर्ण टोल प्लाजा, ओवरचार्जिंग और लंबी कतारों के कारण सड़क उपयोगकर्ताओं को होने वाली परेशानी और असुविधा पर भी प्रकाश डाला गया है। इन सभी हालातों को देखते हुए भारत में राजमार्गों एवं सुविधा की सड़कों के नाम पर हो रही टोल टैक्स वसूली को औचित्यपूर्ण एवं न्यायसंगत बनाने की अपेक्षा है। सुविधा के नाम असुविधाओं, असुरक्षा एवं धोखाधड़ी की बढ़ती स्थितियों को गंभीरता से लेना होगा।

सुरेश गोपी यानि केरल में खिला कमल

डॉ सुधीर सक्सेना

केरल के सर में अंतत: सर्रासज (कमल) खिल गया। हाल के चुनाव में त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र में सुरेश गोपी या जीते, भारतीय जनता पार्टी की मुराद पूरी हो गयी। बीजेपी को यह कामयाबी लंबे बेचैन इंतजार के बाद नसीब हुई, जिसने इसकी महाा और मिठास को बढ़ा दिया। केरल वह राज्य है, जहां विश्व के इतिहास में प्रथम निर्वाचित कयुनिस्ट सरकार ईएमएस नंबूद्रीपाद के नेतृत्व में सन 50 के दशक में साारूद हुई थी। दूसरे केरल ऐसा राज्य है, जहाँ की राजनीति दो विरोधी गठबंधनों की धूरी पर टीकी हुई है। केरल की राजनीति में सेंध लगाने और पांव टिकाने के लिये बीजेपी ने तरह-तरह के दांव आजमाये, लेकिन बात बनी नहीं। अंतत: आजादी के अमृत काल में उसे सफलता मिली और केरल के चुनावी इतिहास में पहली बार उसके उमीदवार ने किसी एक किले पर जीत का परचम लहराया। केरल की राजनीति में वामपंथ और प्रगतिशीलता शुरू से केन्द्र में रही है। साक्षरता में अव्वल इस प्रदेश का मिजाज सेयूलर है और वह सांप्रदायिकता ध्रुवीकरण को धता बताते हुए उनके ध्वजवाहक संगठनों को ठेंगा बताता रहा है। चुनाव-दर-चुनाव बीजेपी के लिए केरल में अंगूर खट्टे रहे। न तो बिस्कुट किंग राजन पिल्लै की पत्नी नीना पिल्लै को चुनाव लड़ाने से बात बनी और न ही मेट्रो मैन श्रीधरन पर दांव लगाना काम आया। मगर इस पूरे दौर में बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व केरल मे संभावनाओं को लेकर जबदस्त होमवर्क करता रहा। उसी दरयान उसकी नजर सुरेश गोपी पर पड़ी। मलयाली फिल्मों का यह चमकीला सितारा बीजेपी नेतृत्व को मिशन- केरला के लिए सर्वथा उपयुक्त लगा। बीजेपी को केरल में किसी पापुलर चेहरे की तलाश थी। उसने रणनीति तैयार की। उसे लागू करने में सतर्कता बरती। फलत: सुरेश गोपी बीजेपी के पाले में आ गये और 'प्रथम ग्रासे मक्षिका पात:' के पहले चुनावी हादसे से उबरकर उन्होंने सन् 2024 के ग्रीष्म में कांग्रेस का परंपरागत किला त्रिशूर सर कर लिया। 25 जून, सन् 1958 को अलपुझा में जनमें सुरेश के. गोपीनाथन पिल्ले और ज्ञानलक्ष्मी अमा की संतान है। उनका बचपन कोल्लम में बीता। प्राथमिक शिक्षा स्थानीय कॉन्वेंट के उपरांत फातिमा माता नेशनल कालेज में हुई। जीव विज्ञान में स्नातक उपाधि के बाद उन्होंने अंग्रजी साहित्य में एमए किया। फिल्मों से उनका नाता जुड़ने का सबब यह रहा कि पिता फिल्मों के वितरक थे। उससे बालक सुरेश में फिल्मों के प्रति लगाव उपजा। अभिनय की पहली सीढ़ी उन्होंने सात साल की उम्र में चढ़ी। सन् 1965 में उन्होंने ओडायिल निन्नू में बाल कलाकार की भूमिका निभायी। सन् 1986 में वयस्क होने पर उनके लिए फिल्मों के द्वार खुल गये और बाद के वर्षों में उन्होंने मुख्यत: मलयाली और कुछेक तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में तरह-तरह की भूमिकाएं निभायी और सफलता के झंडे गाड़े। उनकी कई फिल्में बॉस आफिस पर हिट रहीं और उन्होंने कीर्तिमान स्थापित किये। अपने असमाप्त फिल्मी करियर में सुरेश झोपी अब तक ढाई सौ से अधिक फिल्मों में काम कर चुके हैं और मनोरंजन को रुपहली दुनिया में अभिनेता और पार्श्व गायक के अलावा टीवी होस्ट के तौर पर उभरे हैं। सन् 1998 में उन्हें फिल्म 'कालियट्टम' के लिये क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर का सिने अवार्ड मिल चुका है। सुरेश गोपी की सफल और लोकप्रिय फिल्मों की फेहरिश्त लंबी है। सन् 1987 में 'उरुपथमनुट्टांडु' में खलनायक की भूमिका में वह चर्चित रहे। लेकिन उनकी कामयाबी में चार चाँद सन् 90 के परवर्ती दशक में लगे। यह दशक उनकी बेशुमार शोहरत का दशक था। उन्हें दर्शकों का बेतहाशा प्यार और समान मिला। लेखक रेंजी और निदेशक शाजी की जोड़ी की जुगल बंदी से आई फिल्में अभिनेता सुरेश गोपी को खूब फली। थलस्तानम, एकलव्यन और माफिया जैसी फिल्मों ने उन्हें मलयाली सिने दर्शकों की चहेता कलाकार बना दिया। बड़ी बात यह कि सुरेश किसी एक रोल में टाइप्ड नहीं हुये, बल्कि उन्होंने तरह-तरह की भूमिकाएं निभायी। वह चरित अभिनेता रहे और नायक और खलनायक भी। यहां तक कि उन्होंने हास्य भूमिकाएँ भी निभायी। मणिचित्रयाजू में उनके अभिनय को खूब सराहा गया। सन 90 के परवर्ती दशक में आई उनकी नकुलन, काश्मीरम, कमिश्नर, हाईवे, राजपुत्रन, लेलम आदि ने धूम मचा दी। जनपतिपथयम, गुरू, प्रणयवरनंगल, तलोलम, पथरम, वझुन्नोर, मार्क एंटोनी, कवर स्टोरी, मकलक्कू, मेघ संदेशम, भारत चंद्रन आईपीएस आदि से यह सिलसिला और आगे बढ़ा। इसके बाद कुछ वर्ष के लिए सुरेश ने फिल्मों से फासला बरता, लेकिन सन् 2006-15 के दरम्यान उनकी फिल्मों को आशातीत सफलता नहीं मिली। उन्होंने एकबारगी संन्यास भी लिया, लेकिन सन् 2019 में तमिलारासन (तमिल) और मार्क एंटोनी के जरिये उन्होंने जबर्दस्त कमबैक किया। सन 2020 में 'वराने अवश्यमुंड' में सुरेश और शोभना की जोड़ी करीब 15 साल बाद एक साथ दिखी। तरता पाप्पन, काबूल कर गुरूदन जैसी फिल्मों ने उन्हें पुन: मलयाली सिने परिदृश्य के केंद्र में ला दिया। 8 फरवरी, सन 1990 को राधिका नायर से विवाहित गोपी सद्गृहस्थ कलाकार है। कौन यकीन करेगा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन का प्रारंभ सीपीआई (एम) की युवा ईकाई एसएफआई से किया था। इसके बाद उनका लगाव कांग्रेस से रहा। श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रशंसक वह कल भी थे और आज भी हैं। त्रिशुर से चुने जाने के बाद श्रीमती गांधी को 'मदर इंडिया' कहना अकारण या आकस्मिक कतई नहीं है। वह उदारमना सदाशयी नेता हैं। सन 2006 के असेंबली चुनाव में उन्होंने नयी मिसाल कायम की। उन्होंने पोन्नानी में यूडीएफ के गंगाधरन का प्रचार किया तो मलमपुझा में एलडीएफ के अच्युतानंदन का। केरल में पहले पहल और इकलौता कमल खिलाने वाले सुरेश गोपी का कमल से रिश्ता एक दशक पुराना भी नहीं है। उन्होंने अटूबर, सन् 2016 में बीजेपी ज्वाइन की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कहने पर उन्होंने सन् 2021 में विधानसभा का चुनाव भी लड़ा। लेकिन सीपीआई के पी. बालाचंद्रन से वह चुनाव हार गये। दिलचस्प बात यह है कि मतों की गणना में वह तीसरी पायदान पर रहे। बालाचंद्रन की मुख्य प्रतिद्वंद्वी रहीं कांग्रेस की पद्मजा वेणुपाल। इससे पहले हुआ था सन 2019 का लोकसभा चुनाव। गोपी त्रिशुर से लड़े, लेकिन कांग्रेस के टीएन प्रतापन ने उन्हें मात दे दी। दौड़ में वह तीसरे स्थान पर रहे। प्रतापन के मुय प्रतिद्वंदी रहे भाकपा के राजाजी मॅथ्यू थामस। ऐसा लगता है कि अपनी शख्सियत के बूते सुरेश गोपी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नजरों में चढ़ गये और उन्होंने केरल में बीजेपी की डोंगी खेने का दायित्व गोपी को देने का फैसला किया। सुरेश गोपी 29 अप्रैल, सन् 2016 को राज्यसभा के लिए मनोनीत हुये और 24 अप्रैल, 22 तक उच्च सदन के सदस्य रहे। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें अनेक महत्वपूर्ण कमेटियों का सदस्य मनोनीत किया। 4 जून को चुनाव 24 के नतीजे आने के कुछ ही दिनों बाद पीएम ने उन्हें मंत्री पद से नवाजा। उन्हें पेट्रो रसायन और पर्यटन मंत्रालयों में राज्यमंत्री बनाया गया। मंत्री बनने के तुरंत बाद उन्होंने पहला काम यह किया कि इसरो के चेयर मैन एस. सोमनाथ से मिले और मुल्लापेरियार तथा इडुक्की बांधों से संबंधित बाढ़ की विभीषिका के संदर्भ में अंतरिक्षप्रोद्योगिकी के उपयोग पर चर्चा की। सुरेश गोपी संप्रति केन्द्रीय मंत्री हैं, किंतु उनकी रुचि मंत्री पद में नहीं है। वह सांसद रहकर अपने दायित्वों का निर्वाह करना चाहते हैं। उनकी भाषा शालीन है और आचार-विचार में वह उदारता बरतते हैं। यही वजह है कि उन्हें पूर्व सीएम और माकपा नेता (स्व.) ई के नयनार के परिजनों से मिलने और पूर्व सीएम तथा कांग्रेस नेता (स्व.) के करुणाकरण की समाधि पर मत्था टेकने में संकोच नहीं होता । इससे भाजपा नेताओं में भले ही बेचैनी फैले, लेकिन केरल में बीजेपी को पांव पसारने के लिए गोपी सरीखे नेताओं की जरूरत है। उन्हें चर्च जाकर 'नन्नी चोल्लुन्नू दैवम' (प्रभु तेरा शुक्रिया) कहने अथवा मुसलमानों की रोजा इतार में शिरकत से परहेज नहीं है। 21 प्रतिशत ईसाईयों और 14 प्रतिशत मुसलमानों की आबादी के केरल में गोपी बीजेपी की जरूरत बनकर उभरे हैं। योंकि उनके प्रशंसकों में कयुनिस्ट भी हैं और काँग्रेसी भी। ऐसे राज्य में जहाँ बीजेपी के वोट गत 25 वर्षों में 6.56 फीसद से बढ़कर 16.68 फीसद हो गये हों, गोपी का होना बीजेपी के लिए सोने पे सुहागा है।

यात्रियों से भरी बस पलटी, बच्ची की मौत

30 से ज्यादा घायल, इनमें 12 बच्चे भी, बिलासपुर से सारंगढ़ जा रही थी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में रविवार दोपहर यात्रियों से भरी बस पलटने से एक बच्ची की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसे में 30-35 यात्री घायल हैं। घायलों को सिम्स और जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा तोरवा थाना क्षेत्र में हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, जयेश ट्रेवल्स की बस बिलासपुर से सारंगढ़ जा रही थी। गुरु नानक चौक से निकलकर लालखदान ओवर ब्रिज के पास पहुंची थी। तभी सामने से एक बाइक सवार आ गया। उसे बचाने की चक्कर में बस अनियंत्रित हो गई। बेकाबू बस सड़क के पास बिजली के पोल से जा टकराई और पलट गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पोल भी टूटकर गिर गया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे और घायलों को बाहर निकाला। साथ ही पुलिस को भी हादसे की सूचना दी।

12 से ज्यादा बच्चे गंभीर रूप से घायल: सूचना मिलने पर पुलिस भी पहुंच गई। हादसे में कई यात्रियों के सिर, पैर और पीठ में गंभीर चोटें आई है। इसके अलावा एक बच्ची की मौत हो गई है और 12 से ज्यादा बच्चे गंभीर रूप घायल हो गए हैं। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बस में 50 से ज्यादा यात्री थे। पुलिस का कहना है कि अभी घायलों की जानकारी नहीं मिल पाई है। फिलहाल उन्हें इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। सभी यात्रियों की जानकारी जुटाई जा रही है।

एक माह की थी मासूम बच्ची: पुलिस के अनुसार इस हादसे में मुलमुला क्षेत्र के अमोरा की रहने वाली एक माह की नवजात बच्ची की मौत हुई है। अपने माता-पिता के साथ बच्ची बस में सवार थी। उसके पिता दूजराम यादव 27 साल और मां राजेश्वरी यादव 25 साल दोनों घायल हैं और अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है।

सीएम साय ने जताया दुख: मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि, बिलासपुर के पास बस पलटने से एक बच्ची के निधन और 30-35 यात्रियों के घायल होने की दुखद खबर आ रही है। कलेक्टर को घायलों के इलाज की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। ईश्वर से दिवंगत बच्ची की आत्मा की शांति और घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

लिफ्ट मांगने पर स्टूडेंट को मार डाला

लात-घूंसों से जमकर पीटा, फिर सड़क पर सिर पटक-पटक कर ले ली जान

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायपुर में लिफ्ट मांगने पर एक कॉलेज स्टूडेंट की हत्या कर दी गई। आरोपियों ने अपने मोहल्ले में ले जाकर स्टूडेंट को लात-घूंसों से जमकर पीटा और फिर जमीन पर उसका सिर पटक-पटक कर मार डाला। मामला पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, बस्तर के लोहाड़ीगुड़ा निवासी मंगल मुरया (21) के माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। मंगल रायपुर स्थित कलिंगा यूनिवर्सिटी में फर्स्ट ईयर का स्टूडेंट था। बताया जा रहा है कि 24 जून की रात करीब 1 बजे वह कालीबाड़ी चौक पर खड़ा हुआ था।

बाइक पर बैठाकर ले गए बीएसयूपी कॉलोनी: इसी दौरान बाइक सवार दो लड़के वहां पहुंचे। उन्हें देखकर मंगल ने उनसे लिफ्ट मांगी और आगे तक छोड़ने के लिए कहा। आरोप है कि इस पर लड़के उसे गाली देने लगे। मंगल ने मना किया तो उनमें विवाद शुरू हो गया। इसके बाद उन्होंने मंगल को बाइक पर बिठा लिया और भाटागांव स्थित बीएसयॅपी कॉलोनी ले गए।

एटीएम का पासवर्ड नहीं बताया तो पीट-पीटकर अधमरा किया: आरोपियों ने वहां पान-ठेला के पीछे ले जाकर मंगल से मारपीट की। फिर उसकी तलाशी ली तो मंगल को पास से एटीएम कार्ड, पासबुक और अन्य सामान मिला। आरोपियों ने मंगल से एटीएम का पासवर्ड पूछा, तो उसने मना कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने उसको लात-घूंसों से पीटना शुरू किया। फिर उसका सिर सड़क पर पटक-पटक कर अधमरा कर दिया।

पुलिस की गाड़ी आते देख भाग निकले आरोपी: इसी बीच पुलिस की गाड़ी पहुंच गई। पुलिस की गाड़ी आता देख आरोपी वहां से मंगल का मोबाइल, पासबुक, ज्ड कार्ड लेकर भाग निकले। इसके बाद पुलिस ने मंगल को मेकाहारा में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

नाबालिग सहित 2 गिरफ्तार: जांच के दौरान पुलिस को सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों का पता चला। इसके बाद पुलिस ने भाठागांव निवासी सावन डोंगरे उर्फ सोमू (19) और एक नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने हत्या करना कबूल लिया है।

आरोपियों के पास से मंगल का मोबाइल और अन्य सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने सावन डोंगरे उर्फ सोमू को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। जबकि नाबालिग को बाल सुधार गृह भेज दिया गया है।

रायगढ़ में हाथी का आतंक, ग्रामीणों के घर को तोड़ा

रायगढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हाथियों का उत्पात लगातार जारी है। शनिवार की रात रायगढ़ वन परिक्षेत्र के जुनवानी गांव में एक दंतैल हाथी बस्ती तक पहुंच गया। हाथी ने ग्रामीणों के मकानों को क्षतिग्रस्त करते हुए घर में रखे करीब 80 किलो चावल को भी चट कर दिया। ग्रामीणों ने घर से भागकर अपनी जान बचाई। हाथी की आमद की सूचना वन विभाग को दी गई। वन अमले और ग्रामीणों ने हाथी को खदेड़ने का काफी प्रयास किया, लेकिन वह गांव से टस से मस नहीं हुआ। बाद में सुबह लगभग साढ़े चार बजे हाथी जंगल की ओर चला गया। मकानों को किया क्षतिग्रस्त हाथी ने रामलाल कुजूर और पंचराम खलखो के मकानों को क्षतिग्रस्त किया है। यही नहीं घर में रखे टीवी, साइकिल सहित कई सामानों को भी हाथी ने नुकसान पहुंचाया। सुबह विभाग के कर्मचारी नुकसान का आकलन कर रहे थे।किसानों की फसल को भी नुकसानबताया जा रहा है कि हाथी रात में मकानों को क्षतिग्रस्त करने के अलावा किसानों के बाड़ी में लगे केला, कटहल को भी काफी नुकसान पहुंचाया है।

रायपुर रेलवे स्टेशन में आग

होटल के किचन में खाना बनाने के दौरान हुआ हादसा, पाया गया काबू

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन में आग लग गई। आग वीआईपी गेट की तरफमौजूद एक होटल के किचन में खाना बनाने के दौरान भड़की। जिससे वेंटिलेशन का हिस्सा जलकर राख हो गया। हालांकि, इस घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। मौके पर मौजूद जीआरपी और स्टाफने मिलकर आग को बुझा लिया है। बताया जा रहा है कि आग करीब 3 बजे लगी। प्लेटफार्म नंबर एक के वीआईपी गेट के तरफहोटल का किचन है। वहां स्टाफखाना बना रहा था। इस दौरान आग गैस से ऊपर उठकर वेंटिलेशन के हिस्से में लगनी शुरू हुई। आग की लपटें स्टेशन बिल्डिंग के बाहर भी दिखने लगी। इस दौरान जीआरपी और किचन स्टाफने आग बुझाने में जुट गए।

कोई हताहत नहीं: कुछ देर की मशक्कत के बाद वहां मौजूद कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया है। हादसे में फायर ब्रिगेड की जरूरत नहीं पड़ी। आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। जीआरपी अफसरों के मुताबिक, इस घटना में किसी भी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है।

देवर ने भाभी का सिर फोड़ा...गुस्साए भाई ने मार डाला

पत्थर से सिर और हाथ-पैर कुचला, बोला- मुझे कोई पछतावा नहीं

मीडिया ऑडीटर, बलौदाबाजार एजेंसी। बलौदाबाजार जिले में एक युवक ने अपने छोटे भाई को पत्थर से कुचलकर मार डाला। सिर, हाथ और पैर पर बेरहमी से पत्थर पटकने से उसकी मौत हो गई। बड़े भाई ने गुस्से में सड़क पर ही पूरे शरीर को कुचल डाला। घटना सरायपाली थाना इलाके के ग्राम रसौटा की है।

जानकारी के मुताबिक नंदकुमार कोसले (26 वर्ष) अपनी भाभी से विवाद और मारपीट कर रहा था। पत्नी से विवाद की बात सुनकर उसके बड़े भाई दिलीप कोसले को भी गुस्सा आ गया। उसने तैश में आकर नंदकुमार को ढूंढ़ा और गुस्से में बड़ा सा पत्थर उस पर पटक दिया।

नशे में डूबा रहता था छोटा भाई: आरोपी दिलीप कुमार कोसले ने पुलिस को बताया कि उसका छोटा भाई नंद कुमार कोसले रायपुर में रहता था। कुछ दिन पहले ही गांव आया था। वह हमेशा शराब, सिगरेट और सुलेशन सूंघकर नशे में डूबा रहता था। घर में भी लड़ाई-झगड़ा करता था, लेकिन हम लोग इसे नजर अंदाज कर देते थे।

नंदकुमार ने भाई का सिर फोड़ दिया था: शनिवार को नंद कुमार किसी बात को लेकर अपनी भाभी से विवाद करने लगा। वह हाथपाई पर उतर आया। उसकी भाभी विरोध कर रही थी, उसे ऐसा नहीं करने को कह रही थी। नंदकुमार अपनी भाभी को पीटने लगा। पिटाई से उसका सिर फूट गया।

वारदात के बाद सड़क की ओर चला गया था नंदकुमार: बताया जा रहा है कि भाभी लहूलुहान हालत में घर में बैठी थी। वारदात के बाद देवर नंदकुमार सड़क की तरफ चला गया। इसी बीच घायल महिला का पति यानी नंदकुमार का भाई दिलीप घर आया। दिलीप की पत्नी ने उसे आपबीती बताई। गुस्से में दिलीप नंदकुमार की तलाश में घर से निकला। चौक के पास उसे वह मिल भी गया।

उसने सड़क किनारे पड़ा बोल्डर उठाया और छोटे भाई नंदकुमार के सिर पर दे मारा। इससे छोटा भाई जमीन पर गिर गया। इसके बाद दिलीप ने सिर, हाथ-पैर और शरीर के बाकी हिस्सों को भी बेरहमी से कुचल डाला। इससे नंद कुमार कोसले की जान चली गई।

आरोपी को हत्या का कोई पछतावा नहीं: पलारी पुलिस ने बताया कि छोटे भाई की हत्या करने के बाद आरोपी घर के पास चबूतरे पर बैठा था। पुलिस ने पूछताछ की तो उसने कहा कि मुझे अपने कृत्य पर कोई पछतावा नहीं है। उसने मेरी पत्नी पर हमला किया था। इस वजह से मैंने उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पति के अवैध-संबंध और पत्नी ने बनाए 2 बॉयफ्रेंड

महिला ने रची घर में ही चोरी की साजिश, पति-ससुर पर कराया तलवार से अटैक

मीडिया ऑडीटर, सूरजपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में कारोबारी बाप-बेटे पर बदमाशों ने तलवार और डंडे से हमला कर दिया। जिसमें दोनों बाप-बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने वारदात में शामिल महिला और उसके 2 बॉयफ्रेंड्स को गिरफ्तार किया है। तीनों ने मिलकर घर में चोरी की साजिश रची थी। घटना लटोरी थाना इलाके की है।

बताया जा रहा है कि कारोबारी के दूसरी महिलाओं से अवैध संबंध थे। इससे तंग आकर पत्नी सुनीता अग्रवाल ने भी अपने दो बॉयफ्रेंड बना लिए। इसके बाद उनके साथ मिलकर अपने ही घर में चोरी की साजिश रची। घटना वाली रात टॉर्च की रोशनी और शोर से पति और ससुर की नींद टूट गई और वे उठ गए। दोनों को देखकर सुनीता के बॉयफ्रेंड घबरा गए और हमला कर दिया।

टॉर्च की रोशनी और आहट से उठ गए बाप-बेटे: दरअसल, घटना 25 जून की रात की है। लटोरी निवासी संजय अग्रवाल और पिता सुभाष अग्रवाल घर में सो रहे थे। इसी दौरान दे रात करीब 1 से 2 बजे के बीच दो युवक चोरी की नीयत से घर में घुसे। उनकी आहट और टॉर्च की रोशनी से संजय अग्रवाल और पिता सुभाष अग्रवाल की नींद खुल गई। दोनों युवकों ने बाप-बेटे पर तलवार से जानलेवा हमला कर दिया।

तलवार और एक गमछा घटनास्थल पर छूटा: बताया जा रहा है कि हमले के बाद पास के ही ढाबे में काम करने वाले लोग शोर-शराबा सुनकर वहां आ गए। लोगों को आता देख दोनों बदमाश मौके से भाग निकले। इस दौरान आरोपियों की तलवार और एक गमछा घटना स्थल पर ही छूट गए। अग्रवाल पिता-पुत्र ने घटना की जानकारी पुलिस को दी।

जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों चोरों को पकड़ने के लिए अपने मुखबिरों को एक्टिव किया। साथ ही घर परिजनों के भी बयान लिया।

संजय अग्रवाल की पत्नी सुनीता से खुला राज: पुलिस के मुताबिक जब संजय अग्रवाल की पत्नी सुनीता अग्रवाल से पूछताछ की गई तो पुलिस को शक हुआ। पूछा गया कि वारदात के वक्त वह कहां थी और चोरों का विरोध क्यों नहीं किया तो सुनीता इसका जवाब नहीं दे सकी। इसके बाद कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उसने जुर्म स्वीकार कर लिया।

दूसरी महिलाओं से पति के रिश्ते, इसलिए बनाए 2 बॉयफ्रेंड: आरोपी सुनीता ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उसके पति संजय अग्रवाल के दूसरी महिलाओं के साथ संबंध है। जिससे वह तंग आ चुकी थी। वह उसे ऐसा करने से मना करती थी। इसी बात पर अक्सर दोनों के बीच विवाद होते थे। घरेलू कलह के बीच सुनीता की जगेश्वर और मिथिलेश से दोस्ती हुई।

गहरी दोस्ती होने के बाद चोरी की साजिश रची: तीनों के बीच इतनी गहरी दोस्ती हो गई कि सुनीता जगेश्वर और मिथिलेश के साथ मिलकर अपने ही घर में चोरी साजिश रच डाली। उसने दोनों को घर की पूरी जानकारी दी। उसने कहा था कि उसके पति के पास बहुत पैसा है। घर वालों को मारकर पैसा चोरी कर ले जाना। कुछ हिस्सा मुझे दे देना। 25-26 जून की दरम्यानी रात वारदात का वक्त तय हुआ था।

कोर्ट ने महिला और उसके दोनों बॉयफ्रेंड्स को भेजा जेल: पुलिस ने बताया कि आरोपी जगेश्वर चौधरी (30 वर्ष), मिथिलेश चौधरी (33 वर्ष) और संजय अग्रवाल की पत्नी सुनीता अग्रवाल (30 वर्ष) को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया है।

नाली में छुपा एनडीपीएस का आरोपी

पुलिस की गाड़ी से कूदकर भागा, नशीले इंजेक्शन के साथ पकड़ा गया था युवक

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। सरगुजा में नशीले इंजेक्शन के साथ पकड़ा गया एक युवक मुलाहिजा के लिए मेडिकल कालेज ले जाते समय बनारस रोड में पुलिस की गाड़ी से कूदकर फरार हो गया। पुलिस ने उसका पीछा किया तो आरोपी नाले में छिप गया। पुलिस ने उसे पकड़कर बाहर निकाला। मामले का वीडियो वायरल हो गया है। मामला गांधीनगर थानाक्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, गांधीनगर पुलिस ने शुक्रवार को पेट्रोलिंग के दौरान कन्या परिसर रोड़ में नशीले इंजेक्शन बेचने के लिए घूम रहे सूरज उर्फ रोहित दोहरे 23 वर्ष निवासी गंगापुर एवं रोहित मालाकार 20 वर्ष निवासी भट्टापारा, अंबिकापुर को पकड़ा था। दोनों की जांच करने पर उनके पास से 100 नग प्रतिबंधित नशीला इंजेक्शन बरामद किया गया।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 22 सी के तहत अपराध दर्ज किया। शनिवार को दोनों को कोर्ट में पेश करने के पूर्व पुलिस उनका मुलाहिजा कराने के लिए गाधंनगर थाने से मेडिकल कालेज हास्पिटल ले जा रही थी।

गाड़ी से कूदा, नाली में छिपा: मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल के रास्ते में डाइट के पास एक युवक पुलिस की गाड़ी से कूदकर भाग निकला। पुलिसकर्मियों ने गाड़ी रोकी। तब तक युवक नावापारा मार्ग में भाग निकला एवं एक नाली में छिप गया। पुलिसकर्मी उसका पीछा करते हुए मौके पर पहुंच गए।

नाली में ढक्कन लगे होने के कारण उसे निकालने में पुलिस को परेशान होना पड़ा। मशक्कत के बाद पुलिस ने उसे नाली से खींचकर बाहर निकाला। पुलिस उसे पकड़कर अपने साथ ले गई।

वायरल हुआ वीडियो: घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने घनाक्रम का वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

एमपी के गांजा तस्कर कोंडागांव में गिरफ्तार

2 लाख 23 हजार का माल जब्त, ओडिशा से रायपुर आते समय पुलिस ने पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, कोंडागांव एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में पुलिस ने गांजा तस्करी करते 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। केशकाल पुलिस ने आरोपियों के पास से 22.380 किलोग्राम गांजा जब्त किया। जब्त गांजे की कीमत 2 लाख 23 हजार 800 रुपए बताई जा रही है।

आरोपी एमपी पासिंग कार से गांजा की तस्करी कर रहे थे। कार को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक सफेद रंग की कार गांजा लेकर एनएच-30 से ओडिशा से रायपुर की ओर जा रही है।

कार की डिक्की से मिले 11 पैकेट: सूचना के आधार पर केशकाल थाने के सामने चेक पोस्ट लगाकर चेकिंग शुरू की गई। एमपी पासिंग कार में दो लोग थे। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम राजेन्द्र ठाकुर और वीरेन्द्र कुचबंधिया बताया। दोनों मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं। चेकिंग करने पर कार की डिक्की में छिपाकर रखे हुए 11 पैकेट बरामद किए।

रात से हल्की फुहार और ठंडी हवा ने बदला मौसम

लोगों को मिली गर्मी और उमस से राहत, बारिश से पारा गिरा

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में 2 दिन तक तेज धूप के बाद बुधवार 29 जून को हल्की बारिश के बाद से मौसम बदला हुआ है। देर रात से हल्की फुहार वाली बारिश ने मौसम को बदल दिया है। मौसम का तापमान तीन डिग्री सेंटीग्रेट तक कम हो गया। मौसम विभाग की माने तो रविवार को भी पूरा दिन इसी तरह रहने वाला है।दुर्ग जिले की बात की जाए तो यहां 1 जून से 29 जून तक 139.7 मिमी बारिश हो चुकी है। पिछले साल के आंकड़ों की बीत की जाए तो यहां अब तक 191.8 मिमी बारिश होनी थी। मौसम विभाग ने अनुमान दिया है कि 1 जुलाई को दुर्ग जिले में मौसम शुष्क रहेगा।

दुर्ग जिले में 1 जून से 29 जून तक 78.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। सबसे अधिक बारिश 139.7 मिमी अहिवारा तहसील में हुई और सबसे कम बारिश 38.3 मिमी. दुर्ग तहसील में हुई है।लोगों को गर्मी से पूरी तरह निजात मिल सकती हैइसके अलावा तहसील बोरी में 42.4 मिमी, तहसील धमधा में 56.3 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 63.8 मिमी और तहसील पाटन में 128.1 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। लोगों का कहना है कि यदि लगातार कई 29 जून तक बारिश हो गई तो तापमान में काफी गिरावट आएगी और लोगों को गर्मी से पूरी तरह निजात मिल जाएगी।चार दिनों में 10 डिग्री तक गिरा तापमानमौसम विभाग के मुताबिक बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से भारी मात्रा में नमी आ रही है।

इससे रोज घने बादल छा रहे हैं, लेकिन वो बरस नहीं रहे हैं। बदली छाए रहने से और हल्की बारिश होने से पिछले चार दिनों में तापमान 10 डिग्री तक कम हुआ है।यहां 26 को तापमान सामान्य से 5 डिग्री अधिक 38.6 डिग्री सेल्सियस था। 29 जून को यह कम होकर 30.8 डिग्री सेंटीग्रट पर पहुंच गया। इसी तरह 27 जून को 36.5 डिग्री और 28 जून को 31.4 डिग्री पर पहुंच गया। 30 जून की बात करें तो आज सुबह का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है।

लगातार बारिश से हुआ ठंडा का एहसासलगातार बारिश से जिले में तापमान काफी कम हुआ है। रात के समय बारिश के चलते तापमान में इतनी गिरावट आ जा रही है कि सुबह सुबह ठंड का एहसास होने लग जाता है। जहां लोग लाइट जाते ही गर्मी से बेहाल हो जा रहे थे उससे भी पूरी तरह से राहत मिली है।

ब्रिटेन में चुनाव से पहले मंदिर पहुंचे सुनक-अक्षता

ब्रिटेन (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति ने देश में 4 जुलाई को होने वाले चुनाव से 4 दिन पहले लंदन के नेसदेन मंदिर पहुंचकर पूजा की। शनिवार को जैसे ही सुनक का काफिला मंदिर परिसर में पहुंचा, भीड़ ने उनका जोरदार स्वागत किया।

उन्होंने मंदिर का दौरा किया और वहां मौजूद लोगों से बातचीत भी की। सुनक ने नेसदेन मंदिर में लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत ञ्20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम की जीत के साथ की। सुनक ने कहा कि आज आप क्रिकेट मैच के नतीजों से तो खुश होंगे। इस पर भीड़ ने तालियां बजाईं।

सुनक ने कहा, मैं भी आपकी तरह एक हिंदू हूं। अपने विश्वास और आस्था से ही मुझे ताकत मिलती है। जब मैं सांसद बना था तब मैंने भगवत गीता पर ही हाथ रखकर शपथ ली थी। मुझे इस बात पर गर्व है। मेरा विश्वास मुझे यह सिखाता है कि हम अपने कर्मों पर ध्यान दें और परिणाम की चिंता न करें।

लेबर पार्टी के लीडर स्टार्मर ने मंदिर में जल चढ़ाया, पूजा की: सुनक से एक दिन पहले विपक्षी नेता और लेबर पार्टी के लीडर सर कीर स्टार्मर भी लंदन के एक मंदिर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कई बच्चों से बातचीत की थी और पूजा में भी शामिल हुए थे। उन्होंने भगवान की मूर्ति पर जल भी चढ़ाया। अपने संबोधन में, स्टार्मर ने किंग्सबरी मंदिर को करुणा का प्रतीक बताया था। स्टार्मर ने कहा था कि अगर वे चुनाव जीते तो उनकी सरकार ब्रिटिश इंडियन समुदाय के लिए काम करेगी। ब्रिटेन में हिंदूफोबिया के लिए कोई जगह नहीं है। देश को बांटने या तोड़ने के लिए उठाए किसी भी कदम को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

किसी धर्म का समर्थन नहीं करती है लेबर पार्टी: ब्रिटेन की लेबर पार्टी को आम तौर पर किसी भी धर्म का समर्थन नहीं करने के लिए जाना जाता है। यही उनकी विचारधारा भी है। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर के प्रवक्ता अलास्टेयर कैम्पबेल ने एक इंटरव्यू के दौरान ब्लेयर को बीच में रोकते हुए कहा था कि उनकी पार्टी भगवान में विश्वास नहीं करती।

सिंगापुर की धर्मगुरु को साढ़े दस साल की जेल

भक्तों से 43 करोड़ रुपए ठगे, आदेश न मानने पर उनके दांत निकलवाए, कैंची से मारा

सिंगापुर (एजेंसी)। सिंगापुर की धर्मगुरु वू मे हो (54) को साढ़े दस साल जेल की सजा हुई है। कोर्ट ने उन्हें अपने भक्तों के साथ धोखाधड़ी करने और उन्हें चोट पहुंचाने समेत 5 आरोपों में दोषी पाया। वू मे हो पर आरोप है कि वह अपने भक्तों का ब्रेनवॉश कर उन्हें बताती थी कि वह एक देवी है।

अगर भक्त उसके आदेश का पालन नहीं करते तो हो उन्हें क्रूर सजा देती थी। वह भक्तों को उनका मल खिलाती थी और प्लास से उनके दांत निकालने को कहती थी। यही नहीं, वह भक्तों पर कैंची से वार करती थी और उन्हें इमारत की दूसरी मंजिल से कूदने को भी कहती थी।

सिंगापुर के न्यूज चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक, वू मे हो खुद को भारतीय धर्मगुरु श्री शक्ति नारायणी अम्मा का भक्त बताती है। श्री शक्ति नारायणी अम्मा के भक्त उनको देवी नारायणी का पहला ज्ञात अवतार बताते हैं। वू मे हो सिंगापुर में साल 2012 से 30 भक्तों के समूह वाला एक आश्रम चला रही है। लोग उस पर विश्वास करें, इसके लिए वह हमेशा देवी जैसी साड़ी और मेकअप करके रहती है।

वू मे हो 2012 में श्री शक्ति नारायणी अम्मा से जुड़ी: वू मे हो साल 2012 में ही श्री शक्ति नारायणी अम्मा से सीधे तौर पर जुड़ी थी। इस दौरान उसने देवताओं और आत्माओं से बात करने वाली देवी के रूप में खुद की पहचान बनानी शुरू की। इसके बाद उसने अपने भक्तों से खुद को भगवान कहने को कहा।

कोर्ट में वू मे हो के भक्तों ने बताया कि हम अपनी बीमारियां ठीक करने और जीवन बेहतर करने के लिए उसके पास जाते थे। इसी दौरान वू मे हो लोगों से पैसे मांगती थी। वह कहती थी कि उन्हें अपने 'बुरे कर्म' को साफ करने के लिए भारत में अम्मा को पैसे भेजने होंगे। इस तरह वू ने भक्तों से 43 करोड़ रुपए ठगे।

वू का दावा- दान का पैसा भारत में गायों की देखरेख, मंदिर और स्कूल बनाने पर खर्च किया: वू ने दावा किया कि दान के पैसे को भारत में गायों की देखरेख, मंदिर और स्कूल बनाने के लिए खर्च करती है। 10 भक्तों ने वू पर आरोप लगाया कि उनसे जरूरी सामान खरीदने को कहा, खाना बनवाया, घर की सफाई करवाई और घूमने के लिए गाड़ियों का इंतजाम करने को मजबूर किया।

वू के भक्तों ने उस पर 2020 की शुरुआत में मारपीट का पहला केस दर्ज किया था, जिसके बाद अक्टूबर 2020 में उसे गिरफ्तार किया गया। पहचान न जाहिर करने की शर्त पर वू की एक भक्त ने बताया कि मैंने उसके साथ 2019 में काम किया था। एक त्योहार के दौरान वू ने मुझ पर 5 केन (टीन के डब्बों) से हमला कर दिया, जिसके बाद मेरे सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आईं, एक आंख भी फूट गई।

महिला भक्त ने ये भी बताया, %जब मैंने वू को अपने दर्द के बारे में बताया तो मुझे एक 'पवित्र जल' पीने और आंखों में डालने को कहा। उसने मुझे सूरज की ओर देखने का आदेश दिया, जिससे मेरी आंख खराब हो गई।%

बंगाल में महिला को सड़क पर पीटा, लात मारी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चार दिन में दूसरी बार महिला से मारपीट और बदसलूकी की घटना सामने आई है। रविवार (30 जून) को उत्तरी दिनाजपुर जिले के चोपड़ा इलाके का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें एक व्यक्ति दो लोगों- एक महिला और एक पुरुष को सड़क पर छड़ी से पीटते हुए नजर आ रहा है। व्यक्ति महिला को कई बार मारता है। वह दर्द से चिल्लाती है, लेकिन व्यक्ति मारना नहीं छोड़ता। इसके बाद वह व्यक्ति महिला के पास बैठे पुरुष की ओर मुड़ता है और उसे मारना शुरू कर देता है। इस दौरान भीड़ तमाशा देखती रहती है। कोई भी महिला और पुरुष को बचाने आगे नहीं आता। वीडियो में एक जगह वह व्यक्ति महिला के बाल पकड़कर उसे लात मारता है। इस वीडियो को लेकर विपक्ष राज्य की ममता सरकार पर हमलावर है। भाजपा और सीपीआई(एम) के नेताओं ने इस वीडियो को लेकर दावा किया है कि पिटाई करने वाला शख्स तृणमूल कांग्रेस का नेता ताजेमुल हैं, जो स्थानीय विवादों पर 'तुरंत न्याय' देने के लिए जाना जाता है। इसके पहले 27 जून को भाजपा ने

टीएमसी पर आरोप लगाया था कि कूच बिहार जिले में पार्टी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की महिला पदाधिकारी रोशोनारा खातून को घर से खींचकर सड़क पर घसीटा गया और निर्वस्त्र कर पीटा गया। टीएमसी के गुंडों ने गोखसदांगा में उनकी पिटाई की और सार्वजनिक रूप से उनके कपड़े फाड़ दिए।

शरद पवार बोले- एमवीए साथ मिलकर लड़ेगा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव हैं। इंडिया ब्लॉक में शामिल कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी में भी शामिल हैं। रविवार (30 जून) को एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि कांग्रेस, शिवसेना और उनकी पार्टी मिलकर इस साल अक्टूबर में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। पवार ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में प्रमुख विपक्षी दलों की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे राज्य विधानसभा चुनावों में छोटे सहयोगियों के हितों की रक्षा करें, जो 2024 के लोकसभा चुनावों में गठबंधन का हिस्सा थे। वहीं, महाराष्ट्र में एनडीए की महायुति वाली सरकार के 2 साल पूरे होने पर राज्य के सीएम एकनाथ शिंदे पोस्ट शेयर कर खुशी जाहिर की। उन्होंने बालासाहेब ठाकरे का जिक्र किया। पवार ने कहा- विपक्ष महाराष्ट्र के लोगों के सामने एक सामूहिक चेहरा रखेगा। राज्य में बदलाव की जरूरत है और इसे पूरा करना विपक्षी गठबंधन की नैतिक जिम्मेदारी है। शरद पवार ने आगे कहा कि महाभारत में अर्जुन का लक्ष्य मछली की आंख थी, इसलिए हमारी नजरें महाराष्ट्र में होने वाले चुनावों पर टिकी हैं। कांग्रेस, एनसीपी और शिवसेना मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सीटों के बंटवारे पर बातचीत शुरू नहीं हुई है, लेकिन जल्द ही शुरू होगी।

केरल के मंत्री साजी चेरियन बोले- माध्यमिक परीक्षा पास करने वाले कई छात्र ठीक से पढ़ना-लिखना तक नहीं जानते

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के मत्स्य पालन मंत्री साजी चेरियन ने राज्य की शिक्षा प्रणाली पर आलोचनात्मक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि 'सेकेंडरी स्कूल लिविंग सर्टिफिकेट एग्जा मिनेशन परीक्षा पास करने वाले कई छात्र ठीक से पढ़ना-लिखना तक नहीं जानते। मंत्री ने यह टिप्पणी ऐसे वक्त की है जब राज्य सरकार अपनी शिक्षा प्रणाली के मानकों का गुणगान कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले न्यूनतम उत्तीर्ण अंक 210 प्राप्त करना कठिन था,

लेकिन अब हर कोई परीक्षा पास कर रहा है। उन्होंने शनिवार को अल्प्पुझा में एक कार्यक्रम में कहा, लेकिन इन छात्रों का एक बड़ा हिस्सा ठीक से पढ़ना-लिखना नहीं जानता। मंत्री ने कहा कि यदि कोई परीक्षा में असफल होता है तो इसे राज्य सरकार की विफलता के रूप में प्रदर्शित किया जाएगा।

चेरियन ने कहा कि मौजूदा सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि माध्यमिक परीक्षा के मूल्यांकन में उदारता बरतने का चलन सही नहीं है, और वह इसमें बदलाव की उम्मीद कर रहे हैं। पिछले महीने शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के परिणाम घोषित किए गए थे।

एनटीए सभी परीक्षाएं निजी कंपनियों के माध्यम से कराता है-जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को लेकर चल रहे विवाद के बीच कांग्रेस नेता और पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) सभी परीक्षाएं निजी कंपनियों के माध्यम से आयोजित करती है। उन्होंने कहा कि वे अपनी मांगों को लोकसभा और राज्यसभा में रखेंगे। कांग्रेस नेता ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि यह मुद्दा सिर्फ नीट का नहीं है, बल्कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित सभी संस्थानों से संबंधित है। उन्होंने कहा, लोकसभा और राज्यसभा में हम एनटीए

(नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) के काम को लेकर अपनी मांग रखेंगे। यह सभी परीक्षाएं निजी कंपनियों के माध्यम से आयोजित करती है। घोटाले कहां हुए हैं? बिहार, गुजरात और मध्य प्रदेश भाजपा शासित राज्य हैं। उन्होंने एएनआई से कहा, इस पर चर्चा होगी।

आतिशी ने चंद्रावल जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने रविवार को अधिकारियों को चंद्रावल जल उपचार संयंत्र के पंप हाउस की मरम्मत करने का निर्देश दिया, जहां भारी बारिश के कारण पानी भर गया था और यह सुनिश्चित किया गया कि ऐसी समस्या फिर न हो। चंद्रावल जल उपचार संयंत्र का निरीक्षण करने के बाद %एक्स% पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि अप्रत्याशित बारिश के कारण चंद्रावल जल उपचार संयंत्र के पंपिंग हाउस में पानी भर गया, जिससे मोटरें क्षतिग्रस्त हो गईं। आतिशी ने कहा, इसके कारण मध्य दिल्ली के कई हिस्सों में पानी की आपूर्ति बाधित हुई। जल बोर्ड ने इस समस्या को हल करने के लिए तेजी से काम किया है और प्लांट की लगभग 80 प्रतिशत मरम्मत कर दी गई

है। जल्द ही पानी की आपूर्ति सामान्य हो जाएगी। उन्होंने कहा, आज प्लांट का निरीक्षण किया और अधिकारियों को जल्द से जल्द पंप हाउस की मरम्मत करने का आदेश दिया तथा संयुक्त निरीक्षण के साथ यह सुनिश्चित करने को कहा कि भविष्य में किसी भी प्लांट में यह समस्या दोबारा न आए।

हेमंत सोरेन की तरह केजरीवाल भी आएंगे जेल से बाहर-मनोज झा

दिल्ली/पटना (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने अरविंद केजरीवाल को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। आरजेडी राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कहा कि जैसे हेमंत सोरेन जेल से बाहर आए हैं, वैसे ही वे (अरविंद केजरीवाल) भी बाहर आएंगे... केंद्र सरकार ईडी, आईटी और सीबीआई को हथियार बना रही है। वहीं, भारत के 2024 में टी20 विश्व कप जीतने पर आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा कि पूरा देश खुश है। मैं खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ, कोच, सचिव को बधाई देता हूं। यह क्षण 17 साल बाद आया है। बता दें कि टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में भारत की जीत के बाद देशभर में जश्न का माहौल है। देश के हर हिस्से में लोग जश्न मना रहे हैं। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने भारतीय टीम को टी20 विश्व कप जीतने पर बधाई दी है। दरअसल, भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में साउथ अफ्रीका को 7 रनों से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया है।

झारखंड के लोग भाजपा को नहीं बख्शेंगे, आने वाले दिनों में राज्य से इनका सफाया हो जाएगा: हेमंत सोरेन

रांची (एजेंसी)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को भाजपा पर उनके खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया और दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा का राज्य से सफाया हो जाएगा। अपने आवास पर झामुमो कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए हेमंत सोरेन ने कहा कि उन्हें जेल में बंद करने की साजिश रचने वालों के खिलाफ विद्रोह होगा और झारखंड के लोग भाजपा को नहीं बख्शेंगे। झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा, "भाजपा के ताबूत में आखिरी कील ठोकने का समय आ

गया है। आने वाले दिनों में झारखंड से भाजपा का सफाया हो जाएगा। धन शोधन के एक मामले में झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा जमानत दिए जाने के बाद सोरेन को शुक्रवार को बिरसा मुंडा जेल से रिहा किया गया। झामुमो नेता को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 8.36 एकड़ भूमि पर अवैध कब्जे से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में 31 जनवरी को गिरफ्तार किया था। हेमंत सोरेन ने आरोप लगाया कि भाजपा ने सभी संवैधानिक प्रतिष्ठानों पर नियंत्रण कर लिया है, लेकिन लोगों ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में उसे सबक सिखाया है। भाजपा पर निशाना साधते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, "मेरी जानकारी में आया है कि वे विधानसभा चुनाव समय से पहले कराने की योजना बना रहे हैं..

सीएम नीतीश ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर भारतीय क्रिकेट टीम को बधाई

पटना (एजेंसी)। टी20 वर्ल्डकप के फाइनल मुकाबले में भारत की जीत के बाद देशभर में जश्न का माहौल है। देश के हर हिस्से में लोग जश्न मन रहा है। वहीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने भारतीय टीम को टी20 विश्व कप जीतने पर बधाई दी है। इसी बीच बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारतीय क्रिकेट टीम को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर हार्दिक बधाई। इस जीत पर आज पूरा देश गौरवान्वित है। सभी खिलाड़ियों को अनंत शुभकामनाएं। उधर, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि क्रिकेटरों ने करोड़ों भारतीयों का दिल जीत लिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा ," चैम्पियंस । हमारी टीम ने शानदार अंदाज में टी20 विश्व कप जीता। हमें भारतीय क्रिकेट टीम पर गर्व है । उन्होंने कहा ," 140 करोड़ से अधिक भारतीय क्रिकेटरों के प्रदर्शन पर गर्व महसूस कर रहे हैं । उन्होंने मैदान पर कप जीता और गांवों, सड़कों पर करोड़ों भारतीयों के दिल। बता दें कि भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में साउथ अफ्रीका को 7 रनों से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया है।

बिहार में पुल गिरने की घटना जांच का विषय, मांझी ने कहा- जो लोग इसके पीछे हैं उन पर सख्त कार्रवाई होगी

गया (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने कहा कि बिहार में पुल गिरने की घटना जांच का विषय है और जो लोग इसके पीछे हैं सरकार उन पर सख्त कार्रवाई करेगी। मांझी का दिल्ली से लौटने के बाद शनिवार को गया परिसादन में कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। केंद्रीय मंत्री ने पुल गिरने के संबंध में पूछे जाने पर कहा कि निश्चित रूप से यह चिंता का विषय है। इधर कुछ दिनों में कई पुल गिरने की घटनाएं हुई हैं, लेकिन 15-20 दिन पहले इस तरह की घटनाएं नहीं हुआ करती थी, तो यह जांच का विषय है। आखिर लगातार पुल गिरने की घटना क्यों हो रही है। मांझी ने आशंका जताते हुए कहा कि कहीं इसके पीछे कोई साजिश तो नहीं है या फिर खराब मटेरियल इसमें इस्तेमाल तो नहीं किया जा रहा क्योंकि पूर्व में शायद ही एक-दो पुल गिरा करते थे, लेकिन लगातार इस तरह की घटना इशारा करती है कि इसके पीछे कोई साजिश है। सरकार को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार इसे लेकर सख्त है। इंजीनियर और ठेकेदार पर कार्रवाई हो रही है। जो लोग भी इसके पीछे हैं उनके खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करेगी। जीतनराम मांझी ने प्रश्न-पत्र लीक से संबंधित सवाल पर कहा कि इस तरह की बात नहीं होनी चाहिए। इसे लेकर केंद्र और राज्य सरकार सख्त है। लोगों की गिरफ्तारियां की जा रही है। जो लोग इसके पीछे हैं वे बख्शे नहीं जाएंगे।

अखिलेश यादव ने भाजपा पर लगाया पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक परिवारों के साथ भेदभाव करने का आरोप

लखनऊ(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के नेता ने रविवार को भाजपा सरकार की आलोचना की। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर आरक्षण के मूल मूल्यों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। इसी के साथ उन्होंने भाजपा पर पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक परिवारों के साथ भेदभाव करने का आरोप भी लगाया। अखिलेश ने कहा, %भाजपा आरक्षण के मूल मूल्यों के खिलाफ काम कर रही है। पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के परिवारों के साथ

भेदभाव हो रहा है।% उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली और यूपी से नियुक्त कुलपतियों में पीडीए के परिवारों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है।

दिल्ली के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पीडीए के परिवारों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। यादव ने कहा, %जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय ने 15त्न से भी कम पीडीए परिवारों को नौकरी दी है। मौजूदा सरकार आरक्षण के पक्ष में नहीं है।

गंभीर और अश्विन ने कोहली, रोहित की प्रशंसा करते हुए कहा, किसी भी लिखित स्क्रिप्ट से बेहतर था

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राहुल द्रविड़ की जगह भारत के मुख्य कोच बनने की दौड़ में सबसे आगे चल रहे गौतम गंभीर ने विराट कोहली और रोहित शर्मा को विश्व कप जीतते ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लेने के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह पहले से लिखी स्क्रिप्ट से बेहतर था। कोहली और रोहित दोनों ने भारत की टी20 विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद क्रिकेट के इस प्रारूप में अपने करियर को अलविदा कह दिया। गंभीर ने कहा, ''उन्होंने विश्व कप जीत के साथ संन्यास लिया जो शायद किसी भी लिखी गई स्क्रिप्ट से बेहतर था। दोनों खिलाड़ी शानदार हैं। उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत कुछ किया है और मैं उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।'' गंभीर ने हालांकि उम्मीद जतायी कि दोनों दिग्गज टेस्ट और वनडे में शानदार प्रदर्शन

करते रहेंगे। पूर्व सलामी बल्लेबाज गंभीर ने कहा, ''लेकिन वे खेल के दो अन्य प्रारूप टेस्ट क्रिकेट और वनडे क्रिकेट में खेलते रहेंगे। मुझे यकीन है कि वे देश और टीम के लिए योगदान देते रहेंगे। '' सीनियर ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने स्टार बल्लेबाज कोहली की कुछ बेहतरीन टी20 पारियों को याद करते हुए अपने 'यूट्यूब चैनल' पर कहा, ''विराट कोहली ने अपना अंतिम टी20 मैच खेल लिया है और इसमें उनका करियर शानदार रहा। मैं कोहली की जो पारियां याद रखना चाहता हूं, उनमें आस्ट्रेलिया के खिलाफ क्वार्टर फाइनल (2016 टी20 विश्व कप) और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2014 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल है। '' उन्होंने कहा, ''उन्हें अभी दो अन्य प्रारूपों में खेलना है जिसमें उनका लंबा करियर है। वह अच्छा खेल रहे हैं।

जीत के बाद कोच राहुल द्रविड़ ने कहा, मैं यहाँ भार मुक्ति के लिए नहीं आया था, मेरे लिये जिंदगी भर की यादें है

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। आम तौर पर शांतचित्त रहने वाले राहुल द्रविड़ टी20 विश्व कप जीतने के बाद बच्चों की तरह उछलते नजर आये और बतौर खिलाड़ी जो ट्रॉफी नहीं जीत सके, उसे कोच के तौर पर दिलाने के लिये उन्होंने अपनी टीम को धन्यवाद दिया। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारत ने रोमांचक फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हराकर आईसीसी खिताब के लिये 11 साल का इंतजार खत्म किया। द्रविड़ ने जीत के बाद कहा ,'' पिछले कुछ घंटों में मेरे पास शब्द नहीं है। मुझे इस टीम पर गर्व है , जिस तरह से कठिन परिस्थितियों में टीम ने संघर्ष किया।'' उन्होंने कहा ,'' पहले छह ओवर में तीन विकेट गंवाने के बाद इस तरह की जीत दर्ज करना बताता है कि यह टीम जुझारूपन छोड़ने वाली नहीं है। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं इतना खुशकिस्मत नहीं रहा कि विश्व कप जीत सकूं। मैने खेलने के दिनों में अपनी ओर से पूरी कोशिश की लेकिन खेल में यह सब होता है।''द्रविड़ के लिये यह जीत एक तरह से भार मुक्ति की तरह भी रही जिनकी कप्तानी में 2007 वनडे विश्व कप में टीम पहले दौर में बाहर हो गई थी। द्रविड़ ने हालांकि कहा कि वह इस तरह के शब्दों में विश्वास नहीं करते। उन्होंने कहा ,'' पहली बात तो यह कि यह कोई भार मुक्ति नहीं है। मैं इस तरह की बातें नहीं सोचता। ऐसे कई खिलाड़ी हैं जो खिताब नहीं जीत सके। मैं खुशकिस्मत हूं कि कोच बना और यह टीम मिली जिसने यह संभव कर दिखाया कि मैं ट्रॉफी जीतकर उसका जश्न मना सकूं।'' उन्होंने कहा ,'' अच्छा लग रहा है लेकिन मैं भार से मुक्त होने का लक्ष्य लेकर नहीं आया था।

स्पष्ट और शांतचित्त रहने से मिली सफलता-बुमराह

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिये भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को प्लेयर आफ द टूर्नामेंट चुना गया। बुमराह ने आठ मैचों में 15 विकेट लिये लेकिन उनका योगदान इन आंकड़ों से कहीं अधिक था जिसकी बदौलत भारत ने 17 साल बाद टी20 विश्व कप जीता। बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल में रीजा हेंडरिक्स और मार्को जेनसन के विकेट लिये। उन्होंने पुरस्कार वितरण समारोह में कहा ,'' मैने शांतचित्त होकर खेलने की कोशिश की। हम इसी के लिये खेलते हैं और मैं सातवें आसमान पर हूं। मेरा बेटा यहां है, परिवार यहां है। हमने जीत के लिये बहूत मेहनत की है। इससे बढकर कुछ नहीं। हम इस स्तर पर खेलने के लिये ही खेलते हैं।'' उन्होंने कहा ,'' बड़े मैच में आप और बेहतर करते हैं। मैं पूरे टूर्नामेंट में काफी स्पष्ट और शांतचित्त रहा। अब जीत के बाद जज्बात हावी हो सकते हैं।'' उन्होंने कहा ,'' मैं आम तौर पर जज्बात जाहिर नहीं करता लेकिन अब काम पूरा हो गया है। आज मेरे पास शब्द नहीं है।

हमने इस आईसीसीआई ट्राफी के लिये तीन चार साल कड़ी मेहनत की है

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 विश्व कप जीतने के बाद भावुक होते हुए कहा कि उनकी टीम ने सिर्फ फाइनल में ही अच्छा प्रदर्शन नहीं किया बल्कि इसके लिये पिछले तीन साल से कड़ी मेहनत कर रही थी। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को रोमांचक फाइनल में सात रन से हराकर 11 साल बाद आईसीसी खिताब जीता। कपिल देव और महेंद्र सिंह धोनी के बाद विश्व कप जीतने वाले रोहित तीसरे भारतीय कप्तान बन गए। उन्होंने कहा ,'' मैं बता नहीं सकता कि इस समय कैसा महसूस कर रहा हूं। शब्दों में नहीं बता सकता। पिछली रात मैं सो नहीं सका। मैं हर हालत में जीतना चाहता था।'' उन्होंने कहा ,'' यह बताना मुश्किल है कि पिछले तीन चार साल में हमने कितनी मेहनत की है। सिर्फ आज की बात नहीं है , इसके पीछे तीन चार साल की मेहनत है।'' पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल में मिली हार को वह भूले नहीं है। उन्होंने कहा ,'' कई दबाव भरे मुकाबलों में हम जीत नहीं सके। खिलाड़ियों को पता है कि दबाव में क्या करना है और आज उसका परफेक्ट उदाहरण था। हम एक साथ डटे रहे।'' पिछले 15 साल से अधिक समय से विराट कोहली के साथ खेल रहे रोहित ने कहा कि कोहली के फॉर्म को लेकर किसी को संदेह नहीं था। उन्होंने कहा ,'' किसी को विराट के फॉर्म पर संदेह नहीं था। बड़े मौकों पर बड़े खिलाड़ी ऐसा ही खेलते हैं। अंत तक डटे रहना जरूरी था। यह खुलकर खेलने वाला विकेट नहीं था।'' उन्होंने कहा ,'' हार्दिक ने शानदार प्रदर्शन किया।

भारतीय फील्डिंग कोच टी दिलीप ने सूर्यकुमार यादव द्वारा ली गयी मैच पलटने वाली कैच की जमकर की तारीफ

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। भारत के क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप ने कहा कि सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल में मैच को रूख बदलने वाला कैच लपकने के दौरान जागरूकता दिखाते हुए सही फैसला किया। अंतिम ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 16 रन की दरकार थी और खतरनाक डेविड मिलर ने हार्दिक पंड्या की फुल टॉस पर वाइड शॉट लगाया लेकिन सूर्यकुमार ने बाउंड्री के करीब गेंद को पकड़ा, और बाउंड्री रस्सी के बाहर जाते हुए इसे छोड़ दिया और फिर वापस आकर शानदार कैच लपक लिया। दिलीप ने कैच के बारे में बात करते हुए कहा, ''जब ऐसा होता है तो उस समय फैसला और जागरूकता बहुत महत्वपूर्ण होती है। यह जानने का आत्मविश्वास होना कि वह गेंद फेंककर वापस आकर कैच लपक सकता है, यह उस समय लिया जाने वाला फैसला जिसमें वह अव्वल रहा। '' दिलीप ने खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक' चुनने की प्रथा शुरू की थी। उन्होंने कहा, ''मैं खिलाड़ियों को श्रेय देना चाहता हूँ कि इतने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद भी उन्होंने वैकल्पिक अभ्यास के लिए समय निकाला। वे खुद जिम्मेदारी लेते हैं और वैकल्पिक अभ्यास के लिए आते। '' दिलीप ने कहा, '' दूसरी बात हम भारत ए, एनसीए जैसे मैच से आते हैं। इस टीम के बारे में एक अच्छी बात यह है कि इसमें अनुभवी खिलाड़ियों और युवाओं का संयोजन है तथा वे एक साथ मिलकर काम करते हैं।

रविंद्र जडेजा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों को कहा अलविदा, साझा की भावुक पोस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद अब रविंद्र जडेजा ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों को अलविदा कह दिया है। जडेजा ने रविवार को टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। क्रिकेटर ने टी20 विश्व कप 2024 की ट्रॉफी के साथ अपनी एक मुस्कुराती हुई तस्वीर साझा की, जिसके साथ उन्होंने एक भावुक नोट लिखकर अपने संन्यास लेने का ऐलान किया। विराट, रोहित और अब जडेजा के संन्यास की खबर ने क्रिकेट के चाहनेवालों के दिल तोड़ दिए हैं। टी20 विश्व कप की ट्रॉफी जीतने की खुशी के बीच भारतीय क्रिकेट के नामी खिलाड़ियों को संन्यास लेता देख लोग भावुक हो गए हैं। जडेजा ने रविवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर टी20 विश्व कप 2024 की ट्रॉफी थामे अपनी एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, %मैं दिल से कृतज्ञता के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों को अलविदा कहता हूं। गर्व से सरपट दौड़ने वाले एक दृढ़ घोड़े की तरह, मैंने हमेशा अपने देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और अन्य प्रारूपों में भी ऐसा करना जारी रखूंगा।% जडेजा ने आगे लिखा कि टी20 विश्व कप जीतना एक सपना सच होने जैसा था, मेरे टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का शिखर। यादों, उत्साह और अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद। जय हिंद।

जीत के बाद कुछ इसी तरह से रोहित और विराट ने टी20 क्रिकेट से लिया संन्यास

नयी दिल्ली (एजेंसी)। जीत के जश्न में गले मिलते, हार के दुख में एक दूसरे के आंसू पोछते , क्रीज पर एक दूसरे की उपलब्धि को सराहते विराट कोहली और रोहित शर्मा फिल्म 'शोले' के जय और वीरू की तरह हमेशा एक दूसरे के साथ खड़े नजर आये और अब दोनों ने टी20 क्रिकेट से विदा भी साथ में ली। जीत के बाद कंधे पर तिरंगा लपेटे या एक दूसरे के गले लगकर रोते दोनों की तस्वीरें 140 करोड़ भारतीयों के दिल में घर कर गई। दोनों की शख्सियत में कोई समानता नहीं। एक आग है तो दूसरा पानी। एक 'वड़ा पाव' खाने वाला ठेठ मुंबइया तो दूसरा 'छोले भटूरे' का शौकीन दिल्ली वाला लेकिन फिर भी पिछले 15 साल से दोनों एक दूसरे के पूरक रहे हैं। दुख में , खुशी में, जीत में और हार में। वेस्टइंडीज में दक्षिण अफ्रीका को हराकर टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित मैदान पर लेट गए , आंखें आंसुओं से भीगी थी। वहीं कोहली अपनी भावनायें छिपाते कुछ देर के लिये चुपचाप ड्रेसिंग रूम में चले गए। वह जीत का जश्न मनाना चाहते थे लेकिन अकेले भी रहना चाहते थे। दोनों के बीच साझा क्या है , एक दूसरे के हुनर और उपलब्धियों का सम्मान। रोहित को बखूबी पता था कि कोहली ने संन्यास का फैसला ले लिया है, फाइनल का नतीजा चाहे जो हो। यही वजह है कि मैच के बाद पुरस्कार वितरण में रोहित ने उन्हें वह मौका दिया और अपने संन्यास का ऐलान नहीं किया।

उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस में इसकी घोषणा की। जब एक ही दौर में दो दिग्गज साथ खेल रहे हों तो मतभेद होना लाजमी है क्योंकि कहते हैं ना कि एक म्यान में दो तलवारें नहीं रह सकती। भारतीय क्रिकेट में इतना कुछ दांव पर होता है कि दो तलवारें एक म्यान में साथ रहना सीख जाती हैं। सुनील गावस्कर और कपिल देव अस्सी के दशक में साथ खेल रहे थे जब सोशल मीडिया नहीं था। उस दौर में कप्तानी को लेकर म्युजिकल चेयर हुआ करता था लेकिन इन दोनों धुरंधरों का एक दूसरे के प्रति सम्मान कम नहीं हुआ। रोहित और विराट सोशल मीडिया के दौर के दिग्गज है। तिल का ताड़ बनाने वाले इस दौर में दोनों ने अपनी गरिमा बनाये रखी। विश्व कप सेमीफाइनल 2019 में भारत की हार के बाद दोनों के संबंधों में दरार की खबरें आने लगी। कोहली ने टी20 कप्तानी छोड़ने का फैसला किया और बीसीसीआई ने सीमित ओवरों के दोनों प्रारूपों में रोहित को कप्तान बनाया। सोशल मीडिया पर वायरल हुई कुछ पोस्ट में पता चलता है कि दोनों के मन में एक दूसरे के लिये कितना सम्मान है।

कोहली ने कुछ साल पहले 'ब्रेकफास्ट विद चैम्पियन' पॉडकास्ट में कहा था ,'' जब वह सबसे पहले आया तो सब बोलते थे कि एक प्लेयर आया है रोहित शर्मा। मैने सोचा कि युवा खिलाड़ी तो हम भी हैं, ऐसा कौन सा प्लेयर आया है कि कोई हमारी बात ही नहीं कर रहा। फिर टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैने उसकी पारी देखी तो मैं सोफे में धंस गया। मैने खुद से कहा कि भाई आज के बाद चुप रहना।''

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान मारक्रम ने कहा- यह दिल को झकझोरने वाली हार है

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। टी20 विश्व कप के फाइनल में भारत के खिलाफ निराशाजनक हार को दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मारक्रम ने चुभने वाला करार देते हुए उम्मीद जतायी कि यह प्रदर्शन अगली बार टीम को बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा। जीत के लिए 176 रन का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम हेनरिच क्लासेन की 27 गेंद में 52 रन की पारी के दम पर 15वें ओवर के बाद बेहद मजबूत स्थिति में थी। टीम को आखिरी 30 गेंद में 30 रन की जरूरत थी लेकिन भारत ने शानदार वापसी करते हुए सात रन की रोमांचक जीत दर्ज की। आखिरी ओवरों में जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या ने कमाल की गेंदबाजी की जबकि सूर्यकुमार यादव ने दबाव की परिस्थिति में कमाल का कैच लपका। इससे पहले विराट कोहली ने 76 रन की पारी खेल भारत को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। मारक्रम ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' यह क्रिकेट का पहला मैच नहीं है जिसमें 30 गेंदों में से 30 की जरूरत वाली टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारत ने अच्छी गेंदबाजी और कमाल के क्षेत्ररक्षण से शानदार वापसी की।'' इस 29 साल के खिलाड़ी ने कहा, ''अभी किसी एक चीज को हार का कारण बताना मुश्किल है। हम अगले कुछ दिनों में, अगले कुछ हफ्तों में इस बारे में विचार करेंगे, उन क्षेत्रों को ढूंढने का प्रयास करेंगे जिसमें हम आज के मैच के दौरान सुधार कर सकते थे। हम इसके साथ ही उन चीजों के बारे में भी सोचेंगे जो हमारे लिए वास्तव में अच्छा रहा है।'' हार के गम के बावजूद

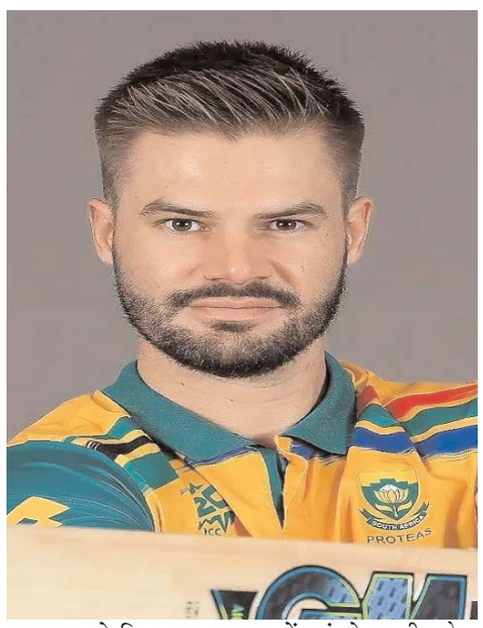

मारक्रम को विश्व कप फाइनल में पहुंचने पर टीम के साथी खिलाड़ियों पर गर्व है। उन्होंने कहा, '' मैं यह बात कहना चाहूंगा कि मुझे अपनी टीम के खिलाड़ियों पर काफी गर्व है। हम सिर्फ आज के प्रदर्शन से नहीं बल्कि टीम ने इस पूरे टूर्नामेंट और उससे पहले तैयारियों के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है। '' मारक्रम ने कहा, ''यह हार चुभने वाली है लेकिन इससे आने वाले टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए टीम की भूख बढ़ेगी।'' मारक्रम ने स्वीकार किया कि क्लासेन के लिए इस तरह के 'विशेष प्रयास' के बाद इस परिणाम को पचा पाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा, '' हमने उसे दुनिया भर में कई बार ऐसा करते देखा है। इस तरह के मंच पर ऐसी पारी खेलना वास्तव में एक विशेष प्रयास है। उसके लिए इस हार को पचा पाना मुश्किल होगा।'' भारतीय खिलाड़ियों की आंखों में जहां खुशी के आंसू थे, वहीं प्रोटियाज इससे टूट गए कि एक और बड़ा खिताब उनके हाथ से फिसल गया है। टीम पहली बार विश्व कप के फाइनल में पहुंची लेकिन आखिरी बाधा को पार नहीं कर सकी। उन्होंने कहा, ''यह हार लंबे समय तक चुभेगी। हर खिलाड़ी ने टीम को पहली बार फाइनल में पहुंचाने में अपना योगदान दिया। आप जानते है कि आप एक टीम हैं और इस समूह के साथ आप अच्छी चीजें चाहते हैं क्योकि सभी शानदार खिलाड़ी हैं।'' हार की निराशा और दिल टूटने के बावजूद मारक्रम फाइनल में भारत की प्रतिभा और धैर्य की सराहना करना नहीं भूले। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने कहा, ''यह क्रिकेट टूर्नामेंट है, यह कठिन क्रिकेट है, ट्रॉफियां जीतना आसान नहीं है और आपको ट्रॉफी जीतने के लिए भारत जैसी टीम को सलाम करना होगा। इसमें बहुत मेहनत लगती है।'' उन्होंने कहा, ''हां, हम यह सोचना चाहेंगे कि हम एक कदम करीब हैं और उम्मीद है कि आगे बढ़ते हुए हम पहली जीत हासिल कर सकते हैं और यह आने वाले कुछ वर्षों में इसका सकारात्मक प्रभाव दिख सकता है।

जो लोग मुझे एक प्रतिशत भी नहीं जानते, उन्होंने बहुत कुछ कहा- हार्दिक पंड्या

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। हार्दिक पंड्या गरिमा से जीने में भरोसा करते हैं और आईपीएल में मुंबई इंडियंस के कप्तान के तौर पर उनकी नाकामी के बाद काफी कुछ कहने वाले ऐसे लोगों से भी उन्हें कोई गिला नहीं है जो उन्हें एक प्रतिशत भी नहीं जानते। आईपीएल में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस के कप्तान बने हार्दिक को उनकी अपनी टीम के प्रशंसकों की हूटिंग झेलनी पड़ी। मुंबई प्लेआफ में जगह नहीं बना सका और बतौर कप्तान तथा खिलाड़ी उन पर सवाल उठाये गए। विश्व कप में हरफनमौला प्रदर्शन से हालांकि उन्होंने सभी को खामोश कर दिया।

उन्होंने खिताब जीतने के बाद कहा ,'' मैं गरिमा में विश्वास करता हूं। जो लोग मुझे एक प्रतिशत भी नहीं जानते, उन्होंने इतना कुछ कहा। लोगों ने बोला लेकिन कोई बात नहीं। मेरा हमेशा मानना है कि शब्दों से जवाब नहीं देना चाहिये, हालात जवाब दे देते हैं।'' उन्होंने कहा ,'' खराब समय हमेशा नहीं रहता। गरिमा बनाये रखना जरूरी है , चाहे आप जीतें या हारें।'' हार्दिक ने कहा ,'' प्रशंसकों और सभी को यह सीखना होगा (शालीनता से रहना)। हमें बेहतर आचरण रखना चाहिये। मुझे यकीन है कि अब वे ही लोग खुश होंगे।'' हार्दिक ने आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 16 रन नहीं बनाने दिये। उन्होंने कहा ,'' ईमानदारी से कहूं तो मुझे मजा आ रहा था। बहुत कम लोगों को ऐसे जिंदगी बदलने वाले मौके मिलते हैं। यह दांव उलटा भी पड़ सकता था लेकिन मैं आधा भरा गिलास देखता हूं, आधा

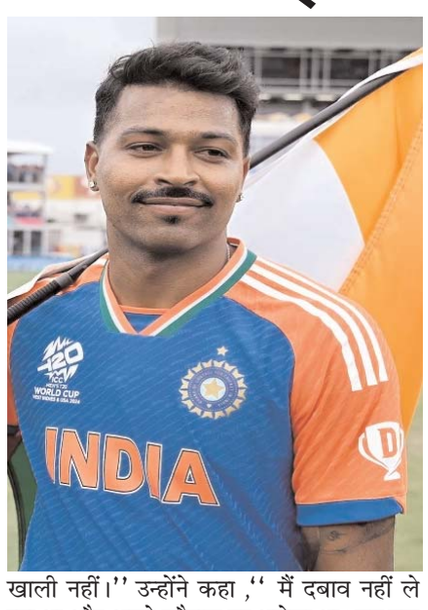

खाली नहीं।'' उन्होंने कहा ,'' मैं दबाव नहीं ले रहा था और अपने कौशल पर भरोसा था। यह पल हमारी किस्मत में लिखा था।'' अगला टी20 विश्व कप भारत में है और हार्दिक कप्तान हो सकते हैं लेकिन वह इतने आगे की नहीं सोच रहे। उन्होंने कहा ,'' 2026 में काफी समय है। मैं रोहित और विराट के लिये बहुत खुश हूं। भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज जो इस जीत के हकदार थे। उनके साथ इस प्रारूप में खेलने में मजा आया। उनकी कमी खलेगी लेकिन इससे बेहतर विदाई नहीं हो सकती थी।

पौधों की सुरक्षा के पूरे प्रबंध करके वृक्षारोपण कराएं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में पूरे प्रदेश में बहुत अच्छा कार्य हुआ है। अभियान के दौरान 3885 नए जल स्त्रोतों का विकास किया गया है। इसके साथ-साथ 21577 जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार किया गया है। इनमें 5677 बावड़ी तथा 13000 से अधिक तालाबों में साफ सफाई और जल संरक्षण का कार्य शामिल है। जल संवर्धन के जो कार्य जारी हैं उन्हें अधिक बरसात होने से पहले पूरा कर लें। जल संरक्षण और संवर्धन का अभियान एक दिन का नहीं है इसके लिए हमें सतत प्रयास करने होंगे। जल गंगा संवर्धन अभियान में आम जनता ने बहुत अच्छा सहयोग दिया है। जन सहयोग से इस अभियान को हम लगातार जारी रखेंगे। कलेक्ट्रेट सतना के एनआईसी से कलेक्टर अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, नगर निगम आयुक्त शेर सिंह मीना, आरटीओ संजय श्रीवास्तव, वन विभाग से लाल सुधाकर सिंह, ईई आरईएस अश्वनी जायसवाल एवं संबंधित अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में वर्चुअली शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री ने वृक्षारोपण का आह्वान किया है। हर जिले में पूरी कार्य योजना बनाकर पौधों की सुरक्षा और देखभाल की पूरी व्यवस्था करते हुए वृक्षारोपण करायें। हर जिले में स्मृति वनों का निर्माण करके उसमें आम जनता से उनके पूर्वजों की स्मृति में पौधे लगवायें। पर्यावरण के संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अनिवार्य है। हर परिवार कम से कम एक पौधा अवश्य रोपित करें और उसकी देखभाल करें। वन विभाग भी खाली पड़ी वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश भर में एक जुलाई से तीन नए कानून लागू किया जा रहे हैं। इनमें भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता के स्थान पर नए कानून का निर्माण किया गया है। पुलिस अधिकारियों राजस्व अधिकारियों को नए कानून के संबंध में प्रभावी प्रशिक्षण दें। आम जनता को नए कानून तथा उनकी धाराओं की जानकारी देने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार अभियान चलाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग के सभी चेक पोस्ट बंद कर दिए गए हैं ।अब जिले में प्रवेश करने के बाद वाहनों की जांच की जाएगी। इसके लिए 211 होमगार्ड परिवहन विभाग को प्रदान कर दिए गए हैं। प्रत्येक जिले में उड़न दस्ते गठित करके वाहनों की जांच कराएं। ओवरलोड वाहनों तथा अन्य अनियमिता करने पर कड़ी कार्रवाई करें। प्रदेश भर में स्कूल शुरू हो गए हैं। सभी कलेक्टर स्कूल बसों की सघन जांच कराएं। बसों में सुरक्षा उपायों तथा किसी भी तरह की कमी होने पर कड़ी कार्रवाई करें।

बैठक में अपर मुख्य सचिव ने बताया कि वन विभाग 82806 हेक्टेयर में 5 करोड़ 39 लाख पौधे रोपित करेगा। इसके लिए प्रत्येक जिले में प्रारंभिक तैयारी कर ली गई है। वृक्षारोपण के लिए 15 जुलाई तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। बैठक में मुख्य सचिव वीरा राणा तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विशेष लोक अदालत 29 जुलाई से 3 अगस्त तक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। उच्चतम् न्यायालय नई दिल्ली के निर्देशानुसार 29 जुलाई 2024 से 3 अगस्त 2024 को उच्चतम् न्यायालय में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतना ने बताया कि जिन पक्षकारों द्वारा प्रकरण में सहमति दी जा रही है उनके प्रकरण उच्चतम् न्यायालय नई दिल्ली में 29 जुलाई 2024 से 3 अगस्त 2024 तक आयोजित हो रही लोक अदालत में सुनवाई की जायेगी। विशेष लोक अदालत में जिन व्यक्तियों के मामले सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया नई दिल्ली में विचाराधीन है, ऐसे राजीनामा योग्य प्रकरणों में आपसी सहमति के आधार पर राजीनामा कर सकते है।

पक्षकार अपने विवादों के अंतिम समाधान पर पहुंचने के लिये भौतिक या ऑनलाईन मंच पर उपस्थित हो सकते हैं। विशेष लोक अदालत के संबंध में जानकारी कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतना के दूरभाष क्रमांक 07672-299063 पर संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

सोयाबीन की खेती करने वाले कृषकों को उपयोगी सलाह

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने सोयाबीन की फसल लेने वाले जिले के किसानों को समसामयिक सलाह दी है। किसानों को बताया गया है कि अनुसंधान निष्कर्षों के आधार पर यह सप्ताह सोयाबीन की बोनी के लिए सबसे उपयुक्त है। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मनोज कश्यप के मुताबिक बोनी के लिए किसानों को मानसून के आगमन एवं न्यूनतम 90-100 मिली मीटर वर्षा के मध्य भिन्न समयावधि वाली सोयाबीन की 2 से 3 किस्मों का उपयोग करना चाहिये।

बीज दर 60 से 70 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं कतारों की दूरी 45 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौधे की दूरी 5 से 10 सेंटीमीटर रखनी चाहिये। साथ ही बीज को 2 से 3 सेंटी मीटर की गहराई पर बोना चाहिये।

उप संचालक ने सोयाबीन की बोनी रिज-फरो पद्धति से करने की भी सलाह किसानों को दी है। उन्होंने कहा कि इससे अतिवर्षा अथवा सूखा का जोखिम कम हो जाता है। उन्होंने किसानों से कहा है कि सोयाबीन की बोनी बीज के साथ उर्वरक मिलाकर न की जाये। इससे बीज सड़ने का खतरा रहता है। उर्वरक का प्रयोग सीड कम फर्टिलाईजर ड्रिल से या बोनी से पहले अपने खेत में छिड़काव कर अच्छी तरह से मिट्टी से मिलाकर करने की सलाह दी है। उप संचालक किसान कल्याण ने किसानों से कहा कि बोनी के समय बीज का उपचार आवश्य करें, ताकि फफूंद जनित एवं कीट जनित रोगों से सुरक्षा हो सके। किसानों को बीज का फफूंदनाशी, कीटनाशक एवं जैविक कल्चर से क्रमानुसार उपचार करने की सलाह भी दी है।

विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था निर्बाध सुनिश्चित करायें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि विद्युत आपूर्ति की निर्बाध व्यवस्था सुनिश्चित कराते हुए सही वोल्टेज की विद्युत आपूर्ति ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में करायें। राजनिवास सर्किट हाउस में रीवा विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की समीक्षा के दौरान श्री शुक्ल ने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि जहां विद्युत का लोड अधिक है वहां आवश्यकतानुसार अतिरिक्त ट्रांसफर्मर लगायें तथा पुराने एवं जर्जर केबिल बदलवाये। उन्होंने निर्देश दिये कि ग्रामीण क्षेत्र के मैदानी अमले के पास पर्याप्त मेंटीनेंस की सामग्री उपलब्ध रहे ताकि जरूरत के समय वह सुधार का कार्य कर सके। उप मुख्यमंत्री ने अगडाल, दुआरी, नवागांव, पुरौना, कुशहा, लक्ष्मणपुर सहित अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत से संबंधित शिकायतों को निराकृत कराने के निर्देश दिये तथा कहा कि आगामी 15 दिन में पुनः इसकी समीक्षा की जायेगी।

उप मुख्यमंत्री ने आरडीएसएस योजना के तहत विद्युत विभक्तिकरण कार्य की समीक्षा की तथा कार्य में आने वाले व्यवधान को दूर करने के लिए एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाने की बात कही जिसमें विद्युत विभाग, प्रशासन व पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को जोड़ा जाय ताकि समस्या का तत्काल निराकरण कराया जा सके। बैठक में मुख्य अभियंता आईके त्रिपाठी, अधीक्षण यंत्री बृजेश शुक्ल सहित विद्युत विभाग के अधिकारी तथा विभक्तिकरण कार्य एजेंसी अशोका बिल्डकाम के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

थाने लेकर जा रहे थे पुलिसकर्मी, मायके पक्ष के लोगों ने घेरा

बेटी की संदिग्ध मौत पर पुलिस जीप में दामाद को चप्पलों से पीटा, लगाया हत्या का आरोप

पुलिसकर्मियों द्वारा थाने लेकर जा रहे दामाद को चप्पलों से पीटा।

पति ऋषि के साथ दीक्षा।

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बेटी की मौत पर मायके की महिलाओं ने दामाद को पुलिस जीप में ही चप्पलों से पीटा। उनका आरोप है कि पति और ससुराल वालों ने मिलकर बेटी की हत्या की है। जिला अस्पताल में रविवार सुबह से ही मायके और ससुराल वालों में तनाव की स्थिति थी।

दोपहर होने तक भीड़ बढ़ गई और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। हंगामा बढ़ने पर पुलिस मौके पर पहुंची। माहौल बिगड़ता देख पुलिस ने महिला के पति को जीप में बैठाया और थाने ले जाने लगी, इतने में भीड़ ने गाड़ी घेर ली। महिलाओं ने पानी की बोटल और चप्पलों से दामाद की पिटाई शुरू कर दी। पुलिस किसी तरह से महिला को पति को बचाकर थाने ले गई।

दहेज के लिए परेशान करने का आरोप: भोलगढ़ की दीक्षा पाठक की शादी शहर के विंध्य विहार कॉलोनी के ऋषि मिश्रा से 29 मई 2023 को हुई थी। परिजन के मुताबिक, शनिवार - रविवार की दरमियानी रात 3 बजे उन्हें फोन पर बताया गया कि दीक्षा की तबीयत खराब है। अस्पताल पहुंचे तो बेटी मृत मिली। मायके वालों का आरोप है कि ससुराल वाले दहेज के लिए बेटी को परेशान कर रहे थे। मजबूरी में हमने जमीन बेचकर 5 लाख रुपए दिए थे।

महिला के पति से पूछताछ कर रहे: सिविल लाइन थाना टीआई कमलेश साहू के मुताबिक मामले में 304 बी का मामला दर्ज किया जाएगा। प्रथम दृष्टया दहेज प्रताड़ना का मामला लग रहा है। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। महिला का पति कॉलेज चौराहे पर पान की गुमटी चलाता है। महिला के घर वालों ने ससुराल पक्ष के पांच सदस्यों- पति, सास-ससुर और जेठ-जेठानी पर हत्या का आरोप लगाया है। फिलहाल दोनों पक्षों के बयान लिए जा रहे हैं। महिला के पति से भी पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

बहन बोली- दहेज मांग रहे थे ससुराल वाले: मृतक की बहन मीनाक्षी ने बताया, 'शादी के समय पिता ने 5 लाख रुपए नकदी , एक तोला सोना और गृहस्थी का सामान दिया था। फिर भी बहन के ससुराल पक्ष वाले दहेज मांग रहे थे। तीन महीनों से बहन का फोन रिचार्ज नहीं था।

ससुराल वाले लोग बोल रहे हैं कि बहन ने जहर खा लिया, लेकिन असलियत में ससुराल वालों ने उसे पीटा है। फिर अस्पताल में एडमिट कर दिया। उसके शरीर पर चोट के निशान देखे हैं। बहन ने कई बार मारपीट की बात हमें बताई भी थी, लेकिन यह भी बोलती थी कि मैं आत्महत्या नहीं करूंगी। मौत के कई घंटों बाद हमें जानकारी दी गई है।'

वहीं ऋषि मिश्रा के बड़े भाई सच्चिदानंद मिश्रा के मुताबिक दीक्षा ने कीटनाशक जहर पी लिया। उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। मायके पक्ष को जानकारी दी गई।

एक जुलाई देश और मध्यप्रदेश के लिए विशेष दिन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कल एक जुलाई का दिन पूरे देश और प्रदेश के लिए एक विशेष दिन रहने वाला है। अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे भारतीय दंड संहिता, सीआरपीसी, भारतीय साक्ष्य अधिनियम...ये सारे नियम बदलते हुए नए प्रकार के कानून लागू होने वाले हैं। अब दंड संहिता के बजाय न्याय संहिता की बात की जाएगी। अर्थात न्याय के आधार पर हमारी व्यवस्था चलनी चाहिए। अंग्रेज जब तक हम पर हावी थे तब तक वो दंड की बात करते थे। हमारी परंपरा न्याय की परंपरा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ये तीनों कानून पूरे देशवासियों के जीवन में अंगीकार होंगे। उससे सुविधा मिलेगी।

अपनी संस्कृति पर गर्व करने का मौका मिलेगा। आमजन के माध्यम से पूरे प्रदेश में जो अभियान चलेगा, इस व्यवस्था के लिए थाने के अंदर सभी प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए और जन जागृति के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर अभियान चलाने के निर्देश जारी किए गए हैं। उम्मीद करता हूं इसका लाभ सभी मिलकर उठाएंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस अभियान का हमारी सरकार अक्षरशः पालन करेगी।

आम जन तक पहुँचाएं नए स्वरूप में लागू किए गए कानून की जानकारियाँ : मुख्यमंत्री

वीडियो कांफ्रेंस द्वारा सभी जिलों को दिए गए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल से देश में गुलामी की निशानियों को समाप्त करने के लिए विभिन्न कार्य हो रहे हैं। इस क्रम में एक जुलाई से देश में अनेक कानून नये स्वरूप में लागू होंगे। दंड के स्थान पर न्याय का महत्व बढ़ें एवं भारतीय नागरिकों को संविधान में प्रदत्त अधिकारों की रक्षा हो सके, इस चिंतन से तीन विधेयक निरस्त कर नए दंडनीय विधेयक लाए गए हैं। आम जन तक इनकी जानकारी पहुँचाने के सभी प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को वीडियों कान्फ्रेंसिंग से प्रदेश के सभी कलेक्टर्स, कमिश्नर्स, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंग्रेजों के समय से चले आ रहे ऐसे विधेयक एवं अधिनियम में भारतीय दंड संहिता 1860, दंड प्रक्रिया संहिता (1898), 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 शामिल हैं। भारतीय दंड संहिता 1860 को भारतीय न्याय संहिता विधेयक 2023 द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। दंड प्रक्रिया संहिता 1898 को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक 2023 द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। इसी तरह भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 को भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आमजन को विभिन्न सेमीनार और वेबीनार के माध्यम से भी इन कानूनों की जानकारी प्रदान की जाए। अभियान संचालित कर नये कानूनों की जानकारियों को प्रचारित किया जाए।

वीडियो कांफ्रेंस में पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना ने बताया कि प्रदेश के सभी 982 थानों में नए कानूनों की जानकारी देने के लिए विशेष कार्यक्रम भी एक जुलाई को हो रहे हैं।

एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़े प्रत्येक प्रदेशवासी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया है। मध्यप्रदेश सरकार भी पर्यावरण के प्रति गंभीर है। लगभग साढ़े 5 करोड़ पौधे मध्यप्रदेश में लगायेंगे। ऐसा प्रयास है कि प्रदेश में 1 जुलाई से लेकर 15 जुलाई के बीच अलग-अलग जिलों में इस अभियान को चलाया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टीवी संदेश के माध्यम से कहा कि मुझे संतोष है कि कई जिले जैसे इंदौर, 51 लाख पौधे लगाने वाला है। भोपाल ने बीस लाख पौधे लगाने का लक्ष्य लिया है। एक दिन में 6 जुलाई को लगभग 12 लाख पौधे लगाने का भी लक्ष्य तय किया है। ऐसे कार्यों से ही पर्यावरण का माहौल बनता है। ऐसे में पौधारोपण कर न केवल हम पर्यावरण को बचाएंगे बल्कि वानिकीकरण में भी अपनी भूमिका निभाएंगे।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 12 सितंबर को

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के निर्वाचन के लिए फोटो युक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। मतदाता सूची एक जनवरी 2024 की संदर्भ तारीख के आधार पर बनाई जाएगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 12 सितंबर 2024 को होगा।

सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह ने बताया है कि रजिस्ट्रीकरण, सहायक रजिस्ट्रीकरण और मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति और उनका प्रशिक्षण 2 जुलाई 2024 तक किया जाएगा। मतदान केंद्रों का युक्ति-युक्तिकरण का प्रस्ताव तैयार कर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को 4 जुलाई तक दिया जाएगा। फोटो युक्त प्रारूप मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 19 जुलाई को किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची पर दावे आपत्ति 19 जुलाई से 2 अगस्त तक लिए जाएंगे। प्राप्त दावे-आपत्तियों के निराकरण की अंतिम तिथि 9 अगस्त है। फोटो युक्त अंतिम मतदाता सूची का विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 12 सितंबर 2024 को किया जाएगा। पूरी प्रक्रिया नियमानुसार निर्धारित समय में पूरी करने के निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिए गए हैं।

अभ्यर्थी 4 जुलाई तक प्रस्तुत करें निर्वाचन व्यय लेखा

लेखा समाधान की बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। लोकसभा निवार्चन 2024 में सतना संसदीय क्षेत्र क्रमांक 9 से चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों को निर्वाचन परिणाम की घोषणा के 30 दिवस के अंदर निर्वाचन पर हुये व्यय का सार विवरण जिला निर्वाचन कार्यालय सतना को उपलब्ध कराना होगा। इस संबंध में रविवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष सतना में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त व्यय प्रेक्षक स्पेंसर एम मिल्लियम की उपस्थिति में लेखा समाधान की बैठक संपन्न हुई। बैठक में अभ्यर्थियों एवं अभिकर्ताओं को अंतिम व्यय लेखा संधारण कर समय-सीमा में जमा करने को कहा गया। व्यय प्रेक्षक मिल्लियम ने कहा कि सभी अभ्यर्थी निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करते हुये अपना-अपना व्यय लेखा निर्धारित प्रपत्रों को भरकर मूल प्रतियों के साथ निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करायें। इसमें अगर किसी भी प्रकार समस्या आती है तो इसके लिये कलेक्ट्रेट सतना के द्वितीय तल में लेखा समाधान की टीम 4 जुलाई तक बैठेगी। जो अभ्यर्थियों के व्यय लेखा की जांच कर अंतिम लेखा जमा करेगी। बैठक में नोडल व्यय प्रकोष्ठ एवं सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगड़े, जिला समन्वयक अखिलेश पाठक, व्यय लेखा से बद्री दहायत एवं अभ्यर्थी और उनके निर्वाचक अभिकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में अभ्यर्थियों और उनके अभिकर्ताओं द्वारा व्यय लेखा प्रस्तुत करने के संबंध में प्रश्न भी किये गये, जिसका व्यय प्रेक्षक द्वारा समुचित समाधान किया गया।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 78 के अनुसार निर्वाचन परिणाम घोषित होने के 30वें दिन तक अभ्यर्थियों को निर्वाचन व्यय लेखा जमा किया जाना अनिवार्य है। सतना संसदीय क्षेत्र के लिये चुनाव लड़ने वाले 19 अभ्यर्थियों में से अभी तक एक अभ्यर्थी चंद्रभान कोल द्वारा 13 हजार 800 रुपये के खर्च का ब्यौरा दिया गया है।

जिले में अब तक 89.7 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिले में इस वर्ष 1 जून से 30 जून तक 89.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 196.2 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 92.2 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 56.8 मि.मी, बिरसिंहपुर में 73 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 25 मि.मी., नागौद में 126.3 मि.मी., जसो (नागौद) में 39 मि.मी. एवं उचेहरा में 109 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 1039.7 मि.मी. है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।